संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -139 बुधवार ,22 मार्च 2023,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

क्या मौत की सजा हेतु फांसी के अलावा कुछ और है...

सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर करेगा विचार

» **सुप्रीम कोर्ट ने 1983 में दीनानाथ के फैसले में फांसी को ठहराया था सही**

नई दिल्ली,21 मार्च 2023(ए)। सुप्रीम कोर्ट विचार करेगा कि क्या मौत की सजा का फांसी के अलावा कम दर्दनाक और अधिक मानवीय तरीका हो सकता है। कोर्ट ने इस मुद्दे पर विचार के लिए विशेषज्ञ समिति भी गठित करने के संकेत दिये हैं।

फिर बहस में फांसी

हालांकि फिलहाल कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा है कि क्या फांसी के जरिए मौत की सजा देने में होने वाली तकलीफों के बारे में कोई अध्ययन हुआ है। क्या इस बारे में कोई वैज्ञानिक डाटा उपलब्ध है कि इसमें कितनी तकलीफ होती है और मौत होने में कितना समय लगता है। क्या ऐसा कोई वैज्ञानिक सुझाव है कि आज की तारीख में यही सबसे बेहतर तरीका है या फिर मानवीय गरिमा को कायम रखने वाला कोई और ज्यादा उपयुक्त तरीका हो सकता है। इसकी अंतरराष्ट्रीय प्रैक्टिस से तुलना भी होनी चाहिए।

फांसी की सजा के बारे में अध्ययन

कोर्ट ने कहा कि अगर केंद्र सरकार ने ऐसा कोई अध्ययन नहीं किया है तो कोर्ट इस पर विचार करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित कर सकता है। कोर्ट ने अटार्नी जनरल से दो मई तक इस बारे में बताने को कहा है। दो मई को फिर सुनवाई होगी। ये निर्देश प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा की पीठ ने मंगलवार को एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान दिये।

मौत की सजा के लिए मानवीय तरीका अपनाए जाने की मांग

वकील ऋषि महल्होत्रा ने जनहित याचिका दाखिल कर मौत की सजा के लिए फांसी के तरीके को ज्यादा क्रूर, तकलीफदेह और अमानवीय बताते हुए लेथल इंजेक्शन, गोली मारना, या कोई और कम दर्दनाक और ज्यादा मानवीय तरीका अपनाए जाने की मांग की है। मंगलवार को ऋषि मल्होत्रा ने मौत की सजा के मामले में देश विदेश में अपनाए जाने वाले तरीकों का जिक्र करते हुए कहा कि फांसी का तरीका ज्यादा तकलीफदेह और क्रूर है इसकी जगह

लेथल इंजेक्शन या कोई और दूसरा तरीका अपनाया जाना चाहिए। ऋषि ने विधि आयोग की इस बारे में आयी विभिन्न रिपोर्टों और दुनिया के विभिन्न देशों में अपनाए जाने वाले तरीकों का जिक्र किया।

ताजा वैज्ञानिक आंकड़े

कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि वैसे तो कोर्ट सरकार से यह नहीं कह सकता कि इस वह यह तरीका नहीं वह तरीका अपनाएं। लेकिन इस बारे में अगर कोई वैज्ञानिक अध्ययन है ताजा आंकड़े और अध्ययन है तो विचार किया जा सकता है। मल्होत्रा ने कहा कि सेना में भी नियम है कि फांसी या गोली मार कर मौत का विकल्प दिया जाता है। हालांकि सीजेआइ गोली मारने के तरीके को सीधे तौर पर खारिज कर दिया। मल्होत्रा ने भी कहा कि ये बीते जमाने या तालिबानी क्षेत्र का लगता है। चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने लेथल इंजेक्शन यानी घातक इंजेक्शन पर कहा कि देखा गया है कि अगर व्यक्ति ज्यादा वजन का है तो वह मरने में संघर्ष करता है। मल्होत्रा ने कहा कि कोई भी प्रक्रिया फूलप्रूफ नहीं होती लेकिन हमें यहां इसकी तुलना फांसी से करनी होगी।

इस फैसले पर हो सकता है पुनर्विचार

चीफ जस्टिस ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने 1983 में दीनानाथ के फैसले में फांसी को सही ठहराया था लेकिन इस फैसले पर पुनर्विचार हो सकता है क्योंकि उसमें आनुपातिकता के सिद्धांत को लागू नहीं किया गया था। सीजेआइ ने कहा कि अमेरिका में देखा गया है कि घातक इंजेक्शन में भी पीड़ा होती है। पीठ ने कोर्ट में मौजूद अटार्नी जनरल आर वेंकेटरमणी से कहा कि 1990 के दशक से 20 मौत की सजा दी जा चुकी हैं। रिपोर्ट क्या कहती है। क्या कोई ऐसी रिपोर्ट है जो इसमें होने वाली पीड़ा की ओर इशारा करती हो।

क्या कहा पीठ ने

पीठ ने कहा कि हम विधायिका से यह नहीं कह सकते कि वह यह तरीका चुने या वह चुने लेकिन अगर हमें लगता है कि एक विकल्प दूसरे की तुलना में कम दर्दनाक है तो हम दूसरे को असंवैधानिक घोषित कर सकते हैं। कोर्ट ने अटार्नी जनरल से कहा कि वह सरकार से निर्देश लेकर बताएं कि क्या कोई ऐसा अध्ययन या आंकड़े हैं जो फांसी से मौत के प्रभाव, उसमें होने वाला कष्ट और लगने वाले समय के बारे में बताता हो। या फिर मानवीय गरिमा को कायम रखने वाला कोई और ज्यादा उपयुक्त तरीका हो सकता है। पीठ ने कहा कि 1983 के बाद से आज तक कि क्या स्थिति है। ताजा वैज्ञानिक स्थिति बताएं।

केंद्र ने इस बारे में अध्ययन नहीं किया है तो कोर्ट एक विशेषज्ञ समिति बना सकता है जिसमें नेशनल ला स्कूल दिल्ली, नेशलन ला स्कूल बेंगलूरू या हैदराबाद जैसे दो नेशनल लीगल यूनीवर्सिटी के प्रोफेसर हो सकते हैं, एम्स के कुछ डाक्टर या देश के अन्य प्रतिष्ठित विशेषज्ञ हो सकते हैं। हम इस निष्कर्ष पर पहुंच सकते हैं कि फांसी के द्वारा मौत देना उचित है लेकिन हमारे पास इस पर एक अध्ययन होना चाहिए।

अटार्नी जनरल ने कहा

अटार्नी जनरल ने कहा कि अगर कोर्ट कोई कमेटी गठित करता है तो उन्हें ऐतराज नहीं है लेकिन पहले उन्हें निर्देश लेकर आने दीजिये। कोर्ट ने अटार्नी जनरल को 2 मई तक का समय निर्देश लेकर बताने के लिए दिया। पीठ ने कहा कि हमें इस मामले को तूल नहीं देना चाहिए क्योंकि यह चिंतन का विषय है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के घर और दफ्तर को बम से उड़ाने की धमकी

नागपुर,21 मार्च 2023(ए)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को एक बार फिर धमकी मिली है। फोन करने वाले शख्स ने उनका घर और ऑफिस उड़ाने की धमकी दी। पुलिस के मुताबिक फोन करने वाले शख्स ने अपना नाम जयेश पुजारी बताया है। उसने कहा है कि पिछली बार उसने 100 करोड़ रुपए मांगे थे। लेकिन इस बार केंद्रीय मंत्री को कम से कम 10 करोड़ रुपए देने होंगे। पश्चिमी नागपुर इलाके के खामला में स्थित नितिन गडकरी की ऑफिस ने मामले की शिकायत दर्ज कराई है। इसके बाद नागपुर पुलिस ने मामले की पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार यह फोन गडकरी की खामला ऑफिस में आया था। कॉल करने वाले ने इस बार गडकरी के बजाए उनके घर और ऑफिस को उड़ाने की धमकी दी है। इस कॉल के लिए जिस नंबर का इस्तेमाल हुआ है, वह बेंगलुरू की एक लड़की का है। लड़की इवेंट मैनेजमेंट कंपनी में काम करती है और उसका दोस्त जेल में है। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि यह फोन कॉल्स आखिर किसने किए थे।

अतीक के ढहाए गए कार्यालय पर चला सर्च ऑपरेशन

» **भारी संख्या में मिले अवैध हथियार और नगदी**

चंदौली,21 मार्च 2023(ए)। उमेश पाल हत्याकांड की साजिश रचाने का मुख्य आरोपी माफिया अतीक अहमद भले ही साबरमती जेल में बंद है, लेकिन प्रशासन उसके काले कारनामों की कमाई से बनाए गए किलों को ढहाने में लगा है। चंदौली जिले की तहसील चकिया में भी माफिया अतीक के कार्यालय पर सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान उक्त कार्यालय से कई संदिग्ध चीजें बरामद हुई।

चकिया के करबला में माफिया अतीक अहमद का कार्यालय था, जहां पर उसके गुर्गे अक्सर आया जाया करते थे। यह कार्यालय भी माफिया की काली कमाई से बनाया गया था, जिस पर दो साल पूर्व बुलडोजर चलाकर ढहा दिया गया था, जिसमें दो कमरे बचे हुए थे।

इन्हीं दो कमरों की पुलिस ने तलाशी ली, जिसमें भारी मात्रा में अवैध हथियार मिले।

बताया गया कि पुलिस ने मौके से दो लोगों को हिरासत में लिया है, जिन्हें पुलिस अपने साथ ले गई। इन दोनों आरोपियों की निशानदेही पर ही हथियारों और नगदी की बरामदगी की गई है, जिसमें 10 पिस्टल तमंचा, तमाम कारतूस और 80 लाख के आसपास नगदी बरामद की गई।

3 दिन तक हुई थी घर-घर तलाशी

कार्रवाई के दौरान थाना प्रभारी धूमनगंज राजेश मौर्य मौके पर पुलिस बल के साथ पहुंचे। सूचना थी कि अंदर कोई व्यक्ति छिपा है। व्यक्ति की तलाश में पुलिस बल जुट गया। एसओजी प्रभारी विनोद यादव ने भी सर्च लाइट लेकर तलाशी ली। इसके पहले उमेश पाल हत्याकांड के बाद पुलिस और एसओजी ने 3 दिन तक अतीक अहमद के मोहल्ले चकिया के घर-घर में तलाशी ली थी।

प्रयागराज के पुलिस कमिश्नर भी रहे मौजूद

मौके पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आकाश कुलहरि, डीसीपी नगर, डीसीपी गंगानगर समेत कई पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे। बता दें कि अतीक के इस कार्यालय को दो साल पहले तोड़ा जा चुका है, लेकिन पूरी तरह ध्वस्त नहीं किया गया था। कार्रवाई के दौरान प्रयागराज के पुलिस कमिश्नर रमित शर्मा भी मौजूद रहे।

चोकसी रेड नोटिस मामला गर्माया

सीबीआई ने कहा,मेहुल को वापस लाने के हर संभव प्रयास जारी

नई दिल्ली ,21 मार्च 2023(ए)। पंजाब नेशनल बैंक में 13,000 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में अपराधी हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी की याचिका को इंटरपोल ने पहले कई मौकों पर खारिज कर दिया था। सीबीआई ने एक बयान में यह जानकारी दी।

एजेंसी ने कहा, एंटीगुआ और बारबुडा से आसन्न प्रत्यर्पण की संभावनाओं का सामना करते हुए, चोकसी ने फिर से चल रही प्रक्रिया को रोकने और प्रत्यर्पण कार्यवाही को बाधित करने के लिए झूठे दावों, मनगढ़ंत कहानियों के साथ विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों से संपर्क किया और 2020 के अपने पहले के फैसले को संशोधित करने के लिए जुलाई 2022 में कमिशन फॉर कंट्रोल ऑफ इंटरपोल फाइल्स (सीसीएफ) से भी संपर्क किया। सीसीएफ ने इस मामले पर सीबीआई और ईडी से परामर्श किया और चोकसी के बयान पर तथ्यात्मक स्थिति पूरी तरह से निराधार और बिना सबूत के सीसीएफ के सामने रखी गई। यह स्पष्ट किया गया कि चोकसी

भारत में कानून की प्रक्रिया से बचने के लिए एंटीगुआ और बारबुडा में चल रही प्रत्यर्पण कार्यवाही को बाधित करने की हर संभव कोशिश कर रहा है।

वरिष्ठ सीबीआई अधिकारी ने कहा, हालांकि, केवल काल्पनिक अनुमानों और अप्रमाणित अनुमानों के आधार पर, पांच सदस्यीय सीसीएफ चेंबर ने रेड नोटिस को हटाने का निर्णय लिया है, जिसकी सूचना नवंबर, 2022 में दी गई थी। इसके बाद, सीबीआई ने इस निराधार और लापरवाह फैसले तक पहुंचने के तरीके में सीसीएफ द्वारा की गई गंभीर कमियों, प्रक्रियात्मक उल्लंघनों, शासनादेश के उल्लंघन और सीसीएफ द्वारा की गई गलतियों को सीसीएफ के साथ उठाया।

सीबीआई ने पहले ही चोकसी और अन्य के खिलाफ आईपीसी की धारा 120-बी के साथ 409, 420, 477ए, 201 और पीसी की 13(1)(सी) और (डी) के साथ पढ़ी जाने वाली धारा 7 और 13(2) के तहत दो आरोप पत्र दायर किए हैं। 2022 में, सीबीआई ने चोकसी और अन्य के खिलाफ बैंकों और वित्तीय संस्थानों को धोखा देने के लिए पांच और आपराधिक मामले दर्ज किए।

सोनिया गांधी के करीबी पूर्व आईएएस की एनजीओ पर अमित शाह ने तरेरी आंखें

» **विदेशी चंदे को लेकर सीबीआई जांच के आदेश**

नई दिल्ली ,21 मार्च 2023(ए)। हर्ष मंदर के एनजीओ अमन बिरादरी पर सीबीआई जांच के आदेश दिए गए हैं। यह आदेश गृह मंत्री अमित शाह ने दिए हैं। पूर्व प्रशासनिक अधिकारी हर्ष मंदर का एनजीओ अमन बिरादरी को एफसीआरए क्लीयरेंस नहीं था। सीबीआई एफसीआरए क्लीयरेंस के बिना ही अमन बिरादरी में विदेशों से आए फंड की जांच करेगी। समाचार एजेंसी के मुताबिक, उन्होंने कहा कि अमन बिरादरी के खिलाफ विदेशी योगदान (विनियमन) अधिनियम के अलग-अलग प्रावधानों के उल्लंघन के लिए सीबीआई जांच की सिफारिश की गई है।

हर्ष मंदर पिछली यूपीए सरकार के दौरान सोनिया गांधी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय सलाहकार परिषद के सदस्य थे। उन्होंने अमन बिरादरी की स्थापना एक धर्मनिरपेक्ष, शांतिपूर्ण, न्यायपूर्ण और मानवीय दुनिया के लिए एक जन अभियान के तौर पर की थी। मालूम हो कि मंदर दो चिल्ड्रेन होम चलाते हैं- उम्मीद अमन घर और खुशी रेनबो होमज इन दोनों ही चिल्ड्रन होम के फंड्स को लेकर विवाद है और आरोप ये भी लगा है कि यहां पर रह रहे बच्चों का इस्तेमाल 2020 में हुए प्रदर्शन के दौरान किया गया था। नेशनल कमिशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स ने दावा किया है कि मंदर अपने चिल्ड्रेन होम से बच्चों को अलग-अलग विरोध प्रदर्शन में ले जाते हैं।

सुप्रीम कोर्ट में 11 अप्रैल को होगी इलेक्टोरल बॉन्ड पर सुनवाई

नई दिल्ली ,21 मार्च 2023(ए)। सुप्रीम कोर्ट इलेक्टोरल बॉन्ड योजना को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 11 अप्रैल को विचार करने के लिए सहमत हो गया, ताकि यह जांच की जा सके कि इस मामले की सुनवाई संविधान पीठ द्वारा की जानी चाहिए या नहीं। एक याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता शादान फरासत ने भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष तर्क दिया कि इस मामले का पहलू राजनीतिक दलों के वित्त के मूल से संबंधित है और इस मुद्दे पर एक आधिकारिक घोषणा की आवश्यकता है। अदालत के विचारार्थ उनके द्वारा तैयार किए गए सवालों की ओर इशारा करते हुए फरासत ने कहा कि अदालत इस मामले को संविधान पीठ द्वारा सुने जाने पर विचार कर सकती है। एक याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे ने कहा, हमें तभी फायदा होगा, जब यह संविधान पीठ होगी। इससे किसी का अहित नहीं होगा। हां, यह मुद्दा हमारे लोकतांत्रिक अस्तित्व के मूल में जाता है। अब तक 12,000 रुपये और सबसे बड़ी पार्टी को दो तिहाई से अधिक मिलता है।

पीठ में न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा ने केंद्र के वकील से पूछा कि क्या वह इस मामले को संविधान पीठ को सौंपने के पहलू पर बहस करने के लिए तैयार हैं। वकील ने जवाब दिया कि अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी, जो सुनवाई के दौरान अदालत कक्ष में मौजूद नहीं थे, को तर्क देना होगा कि संविधान पीठ को संदर्भ दिया जाना चाहिए या नहीं।

दलीले सुनने के बाद, शीर्ष अदालत ने 11 अप्रैल को सुनवाई के लिए मामले को निर्धारित किया, यह जांचने के लिए कि क्या याचिकाओं को संविधान पीठ को भेजा जाना चाहिए। केंद्र ने पिछले साल अक्टूबर में सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम राजनीतिक फंडिंग का बिल्कुल पारदर्शी तरीका है।

शीर्ष अदालत एनजीओ एसोसिएशन फॉर डेमोकेट्रिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की अगुआई वाली याचिकाओं के एक बैच पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें राजनीतिक फंडिंग के स्रोत के रूप में केंद्र की इलेक्टोरल बांड योजना की वैधता को चुनौती दी गई है।

सुप्रीमकोर्ट ने विमुद्रीकृत नोट स्वीकार करने के अलग-अलग मामलों पर विचार से किया इनकार

नई दिल्ली,21 मार्च 2023(ए)। सर्वोच्च न्यायालय ने मंगलवार को 1,000 रुपये और 500 रुपये के पुराने नोटों को स्वीकार करने की मांग करने वाले अलग-अलग मामलों पर विचार करने से इनकार कर दिया और याचिकाकर्ताओं से कहा कि वे एक प्रतिनिधित्व के साथ सरकार से संपर्क करें। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस विक्रम नाथ की पीठ ने संविधान पीठ के फैसले के बाद कहा, अदालत नोटबंदी वाले नोटों को स्वीकार करने के लिए व्यक्तिगत मामलों में संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपने अधिकार क्षेत्र का प्रयोग करने के बारे में नहीं सोचती है। हालांकि, पीठ ने व्यक्तिगत याचिकाकर्ताओं को एक प्रतिनिधित्व के साथ सरकार से संपर्क करने की अनुमति दी।पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ताओं की वास्तविक शिकायतें हो सकती हैं, लेकिन अधिनियम को बरकरार रखने के मद्देनजर इस अदालत द्वारा कोई राहत नहीं दी जा सकती। इसने आगे कहा कि अगर याचिकाकर्ता केंद्र सरकार के जवाब से संतुष्ट नहीं

हैं, तो वे संबंधित हाईकोर्ट का रुख कर सकते हैं। एक वकील के सवाल, ऐसे लोगों को पीड़ित क्यों बनाया जाना चाहिए? पर पीठ ने कहा कि वास्तविक कठिनाइयों का कोई कारण हो सकता है, लेकिन यह अदालत के लिए हस्तक्षेप करने का आधार नहीं हो सकता। इस मामले की सरकार द्वारा जांच की जानी चाहिए। पीठ ने सरकार को 12 सप्ताह की अवधि के भीतर प्रतिनिधित्व तय करने और व्यक्तिगत शिकायतों की जांच करने का निर्देश दिया। इस साल जनवरी में सुप्रीम कोर्ट ने बहुमत के फैसले में केंद्र के 1,000 रुपये और 500 रुपये के मूल्यवर्ग के नोटों को विमुद्रीकृत करने के फैसले को बरकरार रखा और कहा कि 8 नवंबर, 2016 की अधिसूचना (विमुद्रीकरण) में निर्णय लेने की प्रक्रिया में कोई दोष नहीं है।

शीर्ष अदालत ने कहा कि क्या केवल 500 रुपये के मूल्यवर्ग के नोटों का विमुद्रीकरण किया जाना चाहिए था या केवल 1,000 रुपये के नोटों का मूल्यवर्ग किया जाना चाहिए था, यह विशुद्ध रूप से विशेषज्ञों के क्षेत्र के दायरे में है और न्यायिक समीक्षा के क्षेत्र से परे है।

आईआईटी समेत शीर्ष भारतीय उच्च शिक्षण संस्थान भी अब दूसरे देशों में खोलेंगे अपने कैंपस

जल्द जारी हो सकता अधिनियम

नई दिल्ली ,21 मार्च 2023(ए)।ऑस्ट्रेलिया सहित दुनिया के शीर्ष विश्वविद्यालय के भारत में कैंपस खोलने की तैयारियों के बीच शीर्ष भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों ने देश से बाहर निकल अपने कैंपस खोलने को लेकर रूचि दिखाई है। यह बात यह अलग अभी उनकी प्राथमिकता में पड़ोसी देशों के साथ दुनिया के ऐसे देश है, जहां मौजूदा समय में बड़ी संख्या में भारतीय रहते है और वह यहां इन संस्थानों के खोलने की लगातार मांग कर रहे है। इसके साथ ही इस दौड़ में अफ्रीका और खाड़ी के देश भी प्रमुखता से शामिल है। इनमें से कई देशों के साथ शीर्ष स्तर पर चर्चा भी चल रही है। हालांकि, इससे पहले सरकार इन संस्थानों के लिए कुछ नियम-कायदे तय करने में जुटी है। शिक्षा मंत्रालय और यूजीसी फिलहाल इस दिशा में पिछले कुछ समय से तेजी से काम कर रहे है।

माना जा रहा है कि इस महीने के अंत तक इसका मसौदा जारी हो जाएगा। इस बीच दुनिया के दूसरे देशों में जिन भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों की सबसे ज्यादा मांग है, उनमें आईआइटी, एनआईटी और आईआईएम जैसे संस्थान शामिल है। वैसे भी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में शिक्षा के अंतर-राष्ट्रीयकरण की सिफारिश की गई है। जिसमें भारतीय संस्थानों को दूसरे देशों में कैंपस खोलने के लिए प्रोत्साहित करने की बात कही गई है।

केदारनाथ धाम में लगातार हो रही बर्फबारी

» **भैरव गदेरा में ग्लेशियर टूटने से पैदल मार्ग का एक बड़ा हिस्सा हुआ ध्वस्त**

केदारनाथ ,21 मार्च 2023(ए)। उत्तराखंड में मौसम में हुए बदलाव के बाद केदारनाथ धाम में लगातार बर्फबारी हो रही है। 25 अप्रैल से केदारनाथ धाम की यात्रा शुरू होनी है। केदारनाथ यात्रा के लिए पैदल मार्ग को साफ किया जा रहा है। लेकिन मार्ग से बर्फ हटाने वाली टीमों को बहुत मुश्किल हालातों का सामना करना पड़ रहा है। बीते एक हफ्ते से केदारनाथ धाम में बर्फबारी हो रही है, जिसकी वजह से धाम में यात्रा की तैयारियों में जुटे मजदूरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पैदल मार्ग से मजदूरों ने जैसे-तैसे बर्फ के बड़े-बड़े ग्लेशियरों को हटाया था। लेकिन बर्फबारी के चलते फिर से वहां पर बर्फ जम गई है। वहीं, केदारनाथ धाम में अभी भी पांच फीट तक बर्फ जमी हुई है, जिसे साफ करने में मजदूरों के पसीने छूट रहे हैं। केदारनाथ में बर्फबारी की वजह से जरूर सामग्री भी धाम नहीं पहुंच पा रही है। एक तरफ जहां बीते कुछ दिनों से प्रदेश में बारिश और बर्फबारी हो रही है। जिसके कारण एक बार फिर ठंड बढ़ गई है, तो वहीं पहाड़ों पर हो रही लगातार बर्फबारी के कारण लोगों को कई मुश्किलों का सामना करना पड़

रहा है। उधर दूसरी तरफ आज केदारनाथ पैदल मार्ग के भैरव गदेरा में ग्लेशियर टूटा है। ग्लेशियर टूटने से पैदल मार्ग का एक बड़ा हिस्सा ध्वस्त हो गया है। ग्लेशियर से मार्ग की तबाही देख वहां काम कर रहे श्रमिक भी हैरान हैं। ग्लेशियर टूटने से केदारनाथ जाने वाला पैदल मार्ग बंद हो गया है। केदारनाथ धाम में पिछले एक सप्ताह से लगातार बर्फबारी हो रही है। इस कारण पुनर्निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पा रहे हैं। वहीं श्रमिकों को पैदल मार्ग साफ करने में भी बड़ी दिक्कत पेश आ रही है। मजदूर दुआ कर रहे हैं कि बर्फबारी बंद हो तो वो काम को आगे बढ़ाएं।

आज सुबह जब केदारनाथ धाम के लिए मार्ग से बर्फ हटाकर रास्ता बनाने वाले श्रमिक आगे का काम करने के लिए पहुंचे तो उनके होश उड़ गए। उन्होंने देखा कि जिस रास्ते को उन्होंने कड़ी मेहनत से बर्फ हटाकर श्रद्धालुओं की केदारनाथ यात्रा के लिए साफ किया था, वो आज गायब है। देखा तो पता चला कि यहां तो ग्लेशियर टूटा हुआ है। ग्लेशियर ने उनके बनाए रास्ते को पूरी तरह तबाह कर दिया है। जो रास्ता कल तक घोड़े, खच्चर और आम श्रद्धालुओं के जाने के लिए बहुत शानदार बन गया था, उसका आज वजूद ही मिट गया।

संपादकीय

जयगान करें या खामोश रहें!

संसद को अगर खामोश कर दिया जाए, प्रेस खुद खामोश हो जाए, और न्यायपालिका की भूमिका स्पष्ट ना रह जाए, तो फिर लोकतंत्र के बारे में बुनियादी समझ पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है।

संसद में जो नजारा देखने को मिल रहा है, उसका एक ही संकेत है और वो यह- सरकार चाहती है कि या तो संसद में उसका जयगान हो या फिर सदस्य चुप रहें। सरकार को सवाल पसंद नहीं हैं। खास कर ऐसे मामलों पर तो बिल्कुल ही नहीं, जिसे वह अपने लिए संवेदनशील मानती है।

शुक्रवार को संसद टीवी जिस तरह अचानक म्यूट हो गया, वह रहस्यमय है। यह बात किसी के गले नहीं उतरती कि ठीक उस समय खामोशी छा गई, जब विपक्ष अपनी बात रख रहा था और यहां मांग उठ रही थी कि राहुल गांधी को बोलने दिया जाए। राहुल गांधी एक दिन पहले प्रेस कांफ्रेंस करके संसद में बोलने की अपनी इच्छा जता चुके थे। इसके लिए वे स्पीकर ओम बिड़ला से भी मिले थे और उनसे बोलने का समय मांगा था।

शुक्रवार को सामने यह आया कि स्पीकर का फैसला राहुल गांधी को ना बोलने देने का है। जबकि राहुल गांधी के इस तर्क में दम है कि जब मंत्रियों सहित भाजपा के कई नेताओं ने संसद में उनके खिलाफ भाषण दिया है, तो उन्हें संसद के मंच पर उसका जवाब देने का मौका दिया जाना चाहिए। यह आम संसदीय प्रक्रिया है। बहरहाल, आज आम प्रक्रियाओं की अपेक्षा करने का कोई शायद ही कोई आधार बचा है। अब प्रश्न यह है कि भारतीय लोकतंत्र को आज कैसे समझा जाए?

लोकतंत्र में संसद, न्यायपालिका और प्रेस की खास भूमिका होती है। संसद को अगर खामोश कर दिया जाए, प्रेस खुद खामोश हो जाए, और न्यायपालिका की भूमिका स्पष्ट ना रह जाए, तो फिर लोकतंत्र के बारे में बुनियादी समझ पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है। इसके क्या परिणाम हो सकते हैं, इसका अहसास सत्ता को है या नहीं, यह हमें नही मालूम। लेकिन यह सबको याद रखना चाहिए कि अगर बुनियादी आम-सहमतियों के लिए जगह ना बचे, तो व्यवस्था में भले चुनाव होते रहें, लेकिन उसे लोकतंत्र नहीं कहा जा सकता। यह बेजा नहीं है कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के लोकतंत्र सूचकांक पर भारत का दर्जा लगातार गिरता जा रहा है- यहां तक कि फ्रीडम हाउस ने तो भारत उन देशों की श्रेणी में डाल दिया है, जहां आंशिक स्वतंत्रता ही बची है।

खालिस्तान की नाजायज मांग पर

सरकार की कड़ी लगाम

संपूर्ण देश विदेश मे आज कल सिख समुदाय के अमृतपाल और उसके साथियों द्वारा खालिस्तान का मुदा गरमाया हुआ है । सिख जो अपनी दरियादिली के लिए जाने जाते है । इतिहास बताता है कि मुगल शासकों के समय बढ़ते हुए अत्याचार को देखते हुए सीख पंथ की स्थापना गुरु गोबिंद सिंह जी द्वारा हिंदू धर्म की रक्षा के लिए की गई थी । पर बात फिर वही है कि कोई धर्म अशांति हिंसा के मार्ग पर चलना नही सिखाता । परन्तु कुछ शरारती तत्त्व संपूर्ण देश समाज का माहोल खराब करते है और लोगो की धार्मिक भावनाओं से खिलवाड़ कर गलत रास्ता दिखाते है। ऐसे मे बहुत से युवा पथ भ्रमित हो जाते है। ऐसा कहा जाता है की सिख समुदाय के एक शख्स जगजीत सिंह चौहान ने ब्रिटन मे जा कर खालिस्तान की मांग की थी तथा उसका नक्शा भी पेश किया था । परंतु उस बात को समर्थन नहीं मिला । खालिस्तान से अभिप्राय सिखों के लिए अलग स्वतंत्र सत्ता । 1980 मे भिंडरावाले ने इस को फिर से तूल दिया । अमृतसर गोल्डन टेंपल की वारदात मे भिंडरावाला मारा गया । जिस के बाद वर्ष 1984 में देश की पूर्व प्रधानमंत्री श्री मति इंदिरा गांधी जी की हत्या कर दी गई । जिसे ले कर देश भर मे दंगे हुए । जिन्हे याद कर आज भी लोगो के दिल दहल जाते है । सवाल यह उठता है कि हम क्यों भुल जाते है की मानवता से बड़ा कोई धर्म नहीं। किसी भी तरह से फैली अशांति की भरपाई अपने ही लोगो को चुकानी पढ़ती है । भारत मे बहुत से धर्म सांस लेते है। इस तरह के नाजायज मांग रखना देश को आहत करता है। ऐसा बताया जाता है कि इस तरह की ऑर्गेनाइजेशन को बाहर विदेशों से सपोर्ट प्राप्त होता है। यानी कि उन्हें अपने ही देश के खिलाफ इस्तमाल किया जाता है। भिंडरावाले के बाद खालिस्तान का मुदा एक बार फिर अमृतपाल नाम से सामने आया है जो देश की अखंडता शांति पर एक काले बादल समान है । सरकार द्वारा उसके नामुराद इरादो पर बेहद खूबी से लगाम कसी गई है। जो प्रशंसनीय है। अमृतपाल और उससे जुड़े 78 लोगो को गिरफ्तार कर लिया गया ।वर्तमान समय मे पंजाब में हाई अलर्ट लगा दिया गया है। इंटरनेट सुविधा बंद कर दी गई है। यह समय है कि देश के लोग एक जुट हो देश की एकता अखंडता को बनाए रखे।

जय हिंद

केशी गुप्ता
द्वारका
दिल्ली

समझनी होगी बेशकीमती पानी की महत्ता

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़,
नई दिल्ली

जल एक ऐसा दुर्लभ प्राकृतिक संसाधन है, जो सिर्फ कृषि कार्यों के लिए ही नहीं बल्कि पृथ्वी पर जीवन के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है लेकिन चिंतनीय स्थिति यह है कि जल की कमी का संकट न केवल भारत बल्कि दुनिया के लगभग सभी देशों की एक विकट समस्या बन चुका है। इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए जल संरक्षण और रखरखाव को लेकर दुनियाभर में लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए प्रतिवर्ष 22 मार्च को विश्व जल दिवस मनाया जाता है। सही मायने में यह दिन जल के महत्व को जानने, समय रहते जल संरक्षण को लेकर सचेत होने तथा पानी बचाने का संकल्प लेने का दिन है। यह दिवस मनाए जाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 1992 में रियो द जेनेरियो में आयोजित 'पर्यावरण तथा विकास का संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन' (यूएनसीईडी) में की गई थी। संयुक्त राष्ट्र की उसी घोषणा के बाद पहला विश्व जल दिवस 22 मार्च 1993 को मनाया गया था। दरअसल दुनियाभर में इस समय करीब दो अरब लोग ऐसे हैं, जिन्हें स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा और साफ पेयजल उपलब्ध न होने के कारण लाखों लोग बीमार होकर असमय काल का ग्रास बन जाते हैं। बात यदि भारत के संदर्भ में करें तो हमारा देश पहली बार 2011 में जल की कमी वाले देशों की सूची में शामिल हुआ था और अब स्थिति ऐसी हो चुकी है कि महाराष्ट्र हो या राजस्थान, बिहार हो या झारखण्ड या फिर देश की राजधानी दिल्ली, प्रतिवर्ष विशेषकर गर्मी के मौसम में देश के विभिन्न हिस्सों में पानी को लेकर लोगों के बीच आपस में झगड़े-फसाद की खबरें सामने आती रही हैं। कुछ ही साल पहले शिमला जैसे पर्वतीय क्षेत्र में पानी की कमी को लेकर हाहाकार मचा था और उसके अगले साल चेन्नई में वैसी ही स्थिति देखी गई। ये मामले जल संकट गहराने की समस्या को लेकर हमारी आंखें खोलने के लिए पर्याप्त थे किन्तु फिर भी इससे निपटने के लिए सामुदायिक तौर पर कोई गंभीर प्रयास होते नहीं दिख रहे। यही वजह है कि भारत में बहुत सारे शहर अब शिमला तथा चेन्नई जैसे हालातों से जूझने के कगार पर खड़े हैं।

15 अगस्त 2019 को प्रधानमंत्री द्वारा देश के हर ग्रामीण क्षेत्र तक नलों के जरिये प्रत्येक घर में जल पहुंचाए जाने के लिए 'जल जीवन मिशन' नामक अभियान की शुरूआत की गई थी। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इस मिशन की शुरूआत से पहले देश के ग्रामीण इलाकों में केवल 3.23 करोड़ परिवारों के पास ही नल कनैक्शन थे और इस योजना के तहत 2024 तक 19.22 करोड़ ग्रामीण परिवारों तक पानी पहुंचाए जाने का लक्ष्य है। हालांकि घर-घर तक जल पहुंचाने का वास्तविक लाभ तभी होगा, जब नलों से जलापूर्ति भी सुचारू रूप से हो और यह केवल तभी संभव होगा, जब जलस्रोतों की बेहतर निगरानी

व्यवस्था होने के साथ-साथ जल संरक्षण के लिए कारगर प्रयास नहीं किए जाएं।

पृथ्वी का करीब तीन चौथाई हिस्सा पानी से लबालब है लेकिन धरती पर मौजूद पानी के विशाल स्रोत में से महज एक-डेढ़ फीसदी पानी ही ऐसा है, जिसका उपयोग पेयजल या दैनिक क्रियाकलापों के लिए किया जाना संभव है। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक में विस्तार से यह वर्णन किया गया है कि पृथ्वी पर उपलब्ध पानी की कुल मात्रा में से मात्र तीन प्रतिशत पानी ही स्वच्छ बचा है और उसमें से भी करीब दो प्रतिशत पानी पहाड़ों व ध्रुवों पर बर्फ के रूप में जमा है जबकि शेष एक प्रतिशत पानी का उपयोग ही पेयजल, सिंचाई, कृषि तथा उद्योगों के लिए किया जाता है। बाकी पानी खारा होने अथवा अन्य कारणों की वजह से उपयोगी अथवा जीवनदायी नहीं है। पुस्तक के अनुसार पृथ्वी पर उपलब्ध पानी में से इस एक प्रतिशत पानी में से भी करीब 95 फीसदी पानी भूमिगत जल के रूप में पृथ्वी की निचली परतों में उपलब्ध है और बाकी पानी पृथ्वी पर सतही जल के रूप में तालाबों, झीलों, नदियों अथवा नहरों में तथा मिट्टी में नमी के रूप में उपलब्ध है। इससे स्पष्ट है कि पानी की हमारी अधिकांश आवश्यकताओं की पूर्ति भूमिगत जल से ही होती है लेकिन इस भूमिगत जल की मात्रा भी इतनी नहीं है कि इससे लोगों की आवश्यकताएं पूरी हो सकें। वैसे भी जनसंख्या की रफ्तार तो तेजी से बढ़ रही है किन्तु भूमिगत जलस्तर बढ़ने के बजाय घट रहा है, ऐसे में पानी की कमी का संकट तो गहराना ही है।

देश में जल संकट गहराते जाने की प्रमुख वजह है भूमिगत जल का निरन्तर घटता स्तर। एक रिपोर्ट के अनुसार इस समय दुनिया भर में करीब तीन बिलियन लोगों के समक्ष पानी की समस्या मुंह बाये खड़ी है और विकासशील देशों में तो यह समस्या कुछ ज्यादा ही विकराल होती जा रही है, जहां करीब 95 फीसदी लोग इस समस्या को झेल रहे हैं। पानी की समस्या एशिया में और खासतौर से भारत में तो बहुत गंभीर रूप धारण कर रही है। विश्वभर में पानी की कमी की समस्या तेजी से उभर रही है और यह भविष्य में बहुत खतरनाक रूप धारण कर सकती है। अधिकांश विशेषज्ञ आशंका जताने लगे हैं कि जिस प्रकार तेल के लिए खाड़ी युद्ध होते रहे हैं, जल संकट बरकरार रहने या और अधिक बढ़ते जाने के कारण आने वाले वर्षों में पानी के लिए भी विभिन्न देशों के बीच युद्ध लड़े जाएंगे और हो सकता है कि अगला विश्व युद्ध भी पानी के मुद्दे को लेकर ही लड़ा जाए। दुनियाभर में पानी की कमी के चलते विभिन्न देशों में और भारत जैसे देश में तो विभिन्न राज्यों में ही जल संधियों पर संकट के बादल मंडराते रहे हैं।

बहरहाल, पानी की महत्ता को हमें समय रहते समझना ही होगा। इस तथ्य से हर कोई परिचित है कि जल ही जीवन है और पानी के बिना धरती पर जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती लेकिन जब हम हर जगह पानी का दुरूपयोग होते देखते हैं तो बहुत अफसोस होता है। पानी का अंधाधुध दोहन करने के साथ-साथ हमने नदी, तालाबों, झरनों इत्यादि अपने पारम्परिक जलस्रोतों को भी दूषित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। हमें समझ लेना होगा कि बारिश की एक-एक बूंद बेशकीमती है, जिसे सहेजना बहुत जरूरी है। अगर हम वर्षा के पानी का संरक्षण किए जाने की ओर खास ध्यान दें तो व्यर्थ बहकर नदियों में जाने वाले पानी का संरक्षण करके उससे पानी की कमी की पूर्ति आसानी से की जा सकती है और इस तरह जल संकट से काफी हद तक निपटा जा सकता है।

प्रकृति का कफ़न

ओलावृष्टि से फसलों को,
खूब होता है नुकसान।
दुनिया भर में सब कहते हैं,
है यह प्रकृति का अहसान।
प्रकृति का यह कफ़न सदैव,
किसानों को कर देती है दुर्बल।
शक्ति शेष बचीं नहीं रहती ,
सब दिखने लगते हैं निर्बल।
वारिश और ओला से हरदम,
फ़सल कुछ नहीं बच पाता है।
किसानों को प्रकृति का यह रंग,
पसंद नहीं कभी आता है।
प्रकृति के इस अपकार पर,
रो रोकर सब अपनी व्यथा सुनाते हैं
उपचार नहीं है इस दुनिया में,
सरकार से बस सब मलहम पाते हैं
ग़रीब इलाकों में हुई अगर तबाही,
सब मिलकर खूब ऊधम मचाते हैं।
घर -घर में
कफ़न प्रकृति की पाकर,
सब दुःखी यहां हो जातें हैं।
सरकार अगर कुछ मदद करें तब,
मुश्किल होंगी है कमजोर यहां।
ग़रीब किसानों को इस प्रयास से,
फिर मिलती मदद पूरजोर यहां।

डॉ0 अशोक,
पटना,
बिहार

मां दुर्गा और भोले से

नए वर्ष की बेला आई,
घर-घर खुशियां गाने दो,
भोले ने भी फूंक दी ऊर्जा,
भोले-भोले सब गाने दो।
नए वर्ष की ....
गुड़ी पर हम-भी मांग रहे हैं,
मां दुर्गा और भोले से ,
प्रेम के रस से भर दो जीवन,
पाप कटें इस दुनिया से।
नए वर्ष की .....
कोई कहता मैं यह लूंगा,
कोई कहता मैं वह लूंगा,
भोले जो आ गए द्वार पर ,
मैं उनको सब यह कह दूंगा।
नए वर्ष की ....
मैं भोले से विनय करुंगा,
खुशियों को बट जाने दो,
सबके घर भर दो तुम भोले,
जन-मन को मुस्काने दो।
नए वर्ष की ....
भोले कितने भाव में डूबे,
देते-देते खुद थक जाते,
आओ भोले चरण पखारूं,
गर्म-गर्म कुछ अंसुवन से।
नए वर्ष की ....
चाह तो सबकी होती है कुछ ,
नए वर्ष पर पाने की,
पर देने की बात करो कुछ,
फिर आस करो सब पाने की।
नए वर्ष की .....

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
गांधीनगर,
इन्दौर,मध्यप्रदेश.

देवी आमंत्रण गीत

तैं चली आबे ओ माता
चली आबे भवानी
मोर दुवरिया हो।
अंगना तोर उजराहूँ मैं,
गइया के काँचा गोबर ले।
दीयना तोर बिसाहूँ मैं,
भइया कुम्हरा के घर ले।
कोष्ठा घर ले ले आहूँ भवानी,
तोर चुनरिया हो।
तैं चली आबे ओ माता...।
देवी लछ्मी सरसती आही,
मोर दरवाजा तोर आए ले।
देव अस सगा-सोदर आहीं,
तोर सुघर जग रचाए ले।
सोनार भइया ल मंगाहूँ भवानी,
तोर चुनरिया हो।
तैं चली आबे ओ माता....।
किरपा बनाये राखहू तुम,
घर परवार मोर गाँव मा।
बिखहर काँटा झन गड़ै,
कोनो मनखे के पाँव मा।
तोर असीस बर आही भवानी,
मोर संगी-जहुँरिया हो।
तैं चली आबे ओ माता....।

टीकेश्वर सिन्हा गब्दीवाला
घोटिया-बालोद
(छत्तीसगढ़)

किसी को ना कहना भी है एक कला

» तार्किक ना कहने से न करे संकोच

हर कोई चाहता है कि वह हमेशा हर किसी का चाहेता बना रहे, हर कोई उसके काम की तारीफ करे एवं उसकी सराहना करे इसलिए वह उसको दिए गए काम एवं जिम्मेदारी को हमेशा से पूर्ण इमानदारी एवं लगन के साथ के साथ करता है और चाहता है इसका हमेशा उसको श्रेय मिले साथ ही साथ सभी के सामने उसके काम की प्रशंसा हो परन्तु कभी आपने सोचा है सभी को खुश रखने के चक्कर में आप पर हमेशा जिम्मेदारियाँ बढ़ा दी जाती है, आप कोई भी काम को सहर्ष स्वीकार कर लेते है इसलिए आपको ही काम के लिए हमेशा चुना जाता है आप हमेशा काम वगैर कोई न-नुकर करे स्वीकार कर करने लगते है, आपको और अन्य काम की जिम्मेदारी सौप दी जाती है, पहले से आपके पास काम की एक लम्हैबी लिस्ट है,आपको और अतिरिक्त काम का बोझ डाल दिया जाता है यदि आप किसी के अधिनस्त कार्य करते है और आपके बॉस ने आपको कोई अतिरिक्त कार्य दे दिया तो आपको ना कहते नहीं बनताद्य आप मन में सोच रहे होते है कि बॉस को ना कहना यानि अपनी नौकरी खतरा मोल लेना या बॉस के कोप का शिकार होना बस आपके पास हाँ कहने के आलावा और कोई विकल्प नहीं रहता है किसी भी काम के लिए हमेशा हाँ कहना यानि अपने आप को और अधिक समय के लिए काम से जोड़ लेना है द्य अतिरिक्त काम करना गलत नहीं है परन्तु यदि हमें पता है कि इससे हमें कोई विशेष फायदा नहीं होने वाला है, इससे केवल समय, शक्ति और उत्साह का हनन ही होना है तब भी काम करते रहना यह स्वयं को थकाने जैसा कार्य होता है द्य इससे काम करने वाला व्यक्ति अपने निजी पलो को भी प्रोपेस्नल कामो में लगा देता है और पर्सनल जीवन को अपने जॉब या नौकरी में लगा कर अपने स्वयं के सुखद पलो को खोते रहता है द्य हमें रोज़मर्रा के जीवन में निरंतर दूसरों के अनुरोध का सामना करना पड़ता है। दूसरों की मदद करना भले ही अच्छी आदत कहलाती है लेकिन लगातार ऐसा करते रहने से हम पाते है कि अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए हमारे पास समय नहीं रह जाता है। इस तरह के कार्य करते रहने से हमारे भीतर हताशा पैदा होने लगती है। न एक सरल शब्द है जो महज एक अक्षर का है लेकिन ज्यादातर लोगों के लिए न उच्चारण कर पाना कठिन होता है। जबकि हम सभी जानते है कि न कह देने से हम जीवन की अनेक कठिनाइयों से बच सकते हैं।

जतिन एक निजी कम्पनी में काम करता है, कम्पनी की तरफ से उसे फील्ड के दैनिक काम निर्धारित है, वह अपनी कम्पनी की तरफ से दी गई जिम्मेदारी के काम को भलीभांति पूर्ण निष्ठा के साथ करता है जिससे उसके बॉस के सामने उसकी अच्छी इमेज है द्य वह सब कम समय पर करता है बॉस को उस पर पूर्ण विश्वास है कि वह किसी भी काम को अच्छे से कर सकता है कम्पनी में एक प्रोजेक्ट आता है, इस काम का पूर्व अवलोकन करने के लिए लोगो का चयन में जतिन एवं उसी के जैसे काम करने वाले लोगो का नाम आगे आता है, जतिन को इस नया काम की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी जाती है, वह भी अपने मूल काम को बिना प्रभावित किये इस नया काम को करने के लिए आदेशित कर दिया जाता है द्य चूँकि उसके पास फुलटाईम अपना मूल काम है, ऐसे में उसके पास अतिरिक्त समय नहीं है जिससे यह कोई अन्य काम की जिम्मेदारी ले सके परन्तु बॉस के नजरो में अच्छा दिखना एवं बॉस के कोप का भागीदार न बनने की सोच कर वह इस काम को ना नहीं कह पाता और इस काम की जिम्मेदारी ले लेता है द्य अब वह इस नई जिम्मेदारी के लिए दो महीनो से घर से बाहर कार्य के लोकेशन में रहकर कार्य संभाल रहा है , इसके साथ वह उसके मूल काम को भी कर रहा है द्य वह सुबह से शाम तक जिम्मेदारी वाले काम करता है एवं देर रात तक अपने मूल काम का उत्तरदायित्व को निभाता हुआ अपने आप को व्यस्त रखता है द्य कभी-कभी दिन-दिन भर ऑनलाइन मीटिंग, रिपोर्टिंग, प्रेसेंटेशन, फोर्मेट क्रिएशन, कार्यक्रम क्रियान्वयन के चलते घर में बात में करने का भी समय नहीं मिलता द्य एक शादी शुदा जिन्दगी पूरी तरह कम्पनी को समर्पित करने वाला जतिन आज एक ऐसे दोराहा पर खड़ा है कि इसे समझ नहीं आ रहा है कि वह क्या करे, जिनके लिए कमा रहा है, उनके लिए उसके पास ही नहीं है द्य अब वह सोचता है कि उस समय मैंने ना क्यों नहीं बोला; मैंरे पास पहले से ही काम है ऐसे में अन्य काम की जिम्मेदारी को नहीं कर पाहुंगा ऐसा मुझे ख देना चाहिए था द्य अब वह अवसाद से धीरे-धीरे घिरता जा रहा है द्य उसे उसके काम में अब वो बात नहीं लग पा रही है जैसे वह पूर्व में किया करता था द्य पहले जब वो काम करता था उसके काम में पूर्ण गुणवत्ता होती थी, अब उसके काम की वह पैनी नोक जैसे कम होती नजर आ रही है द्य परन्तु काम को बीच में छोड़कर भी नही जाया जा सकता द्य इस प्रकार से अपने ऊपर बोझ को लेकर अब उसे उब होने लगी है

हमारे आसपास ऐसे कई उदाहरण मिल जायेंगे जो अपने काम से संतुष्ट न होने से अवसाद का शिकार हो जाते है अच्छे काम के लिए पहले जो जाने जाते थे अब उस काम में उनकी रुचि नहीं लगती है द्य आखिर यह सब हुआ ना नहीं कहने के कारण हर काम के लिए हमेशा हाँ कह देना आप पर न केवल काम का बोझ बढ़ाएगा बल्कि आपको ऐसे कार्य भी करने होंगे जिनको करना आप पसंद नहीं करते है द्य आपको समझना होगा कि आपका समय और बहुमूल्य उर्जा सीमित है और आपको इसकी अहमियत देनी होगी द्य कई बार लोग अपनी छवि खराब होने के डर से किसी भी कार्य को न नही कह पाते है द्य लेकिन आपको यह समझना होगा कि काम करने के लिए हां कहने के बाद समय की कमी के चलते काम ख़राब होता है तो इससे आपकी छवि अधिक ख़राब होगी द्य कई स्थानों पर आपके पास ना कहना आसन नहीं होता है द्य सबसे पहले तो हमें बहुत ही सभ्य तरीके से किसी कार्य के लिए मना करना चाहिए द्य साथ ही मना करने का उचित व तार्किक कारण भी बताया जाना जरुरी है द्य लेकिन इस कारण को विस्तार में बताने की आवश्यकता नहीं होती है द्य कई बार देखा गया है कि कुछ लोग पूरी कहानी बताएगे , जबकि सिर्फ कारण बताने भर से काम चल सकता है द्य किसी कार्य को मना करने के साथ आप उन्हें उस कार्य करने का विकल्प भी बता सकते है द्य जैसे आप कह सकते है कि आप आज व्यस्त है लेकिन आने वाले रविवार को आप खाली रहेंगे और उस दिन इस कार्य को कर सकते है द्य या फिर उस कार्य को करने के लिए किसी अन्य का नाम सुझा सकते है द्य ना कहना भी एक कलां है जिसने तर्क पूर्ण ना कहना सीख लिया यानि उसने अपने खुश रहने की कुंजी खोज लिया द्य आइये कुछ ऐसे तरीकों को जानते है जिससे आप इस परेशानी को थोड़ा कम कर सकते है -

दोस्तों के दबाव से बचे

अक्सर हम दोस्ती रिश्तेदारी, आत्मविश्वास की कमी या दुविधा के कारण दूसरों की बातें मान लेते हैं। जैसे ''पार्टी में दोस्तों के कहने पर मैंने भी एक पैग ले लिया। ऑफिस के लोग बाहर खाना खाने जा रहे थे, तो मैं भी चला गया, अब बजट गड़बड़ हो गया। इन सब परिस्थितियों में दूसरों की बात मानी, अगर चाहते तो, शालीनता से मना भी कर सकते थे। ना कहने का मतलब है अपने खुद के लिए खडे होना। कुछ बातों में ना करके आप अनचाही परिस्थितियों में फंसने से बचते हैं, इससे आत्मविश्वास बढता है द्य

अपनी ऊर्जा को बचाए रखें

कई बार हम दूसरों को खुश करने की लिए उनकी बात के लिए हामी भर देते है और बाद में सोचते हैं कि ना कह देते तो ज्यादा अच्छा होता। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि हम ना को नकारात्मक भाव से जोडते है। ऐसा करने से हम अपना समय खुद ही बर्बाद करते हैं। अपने समय,निजता और ऊर्जा को बचाने का आसान और सीधा तरीका है ना कहना।

ना कहने के तर्क पर रखें ध्यान

ना को किस जगह कैसे फिट करना है, यह आप पर निर्भर करता है। जैसे पढ़ाई करते समय फ़ोन चलाना, फेसबुक या व्हाट्सएप पर से ध्यान हटाना, भोजन को मन से खाने के लिए फोन को दूर रखना, वजन कम करना है, किसी की बातो में ना आकर अपने विवेक से कम लेना, अपना समय एवं रूचि को ध्यान में रखते हुए कार्य करना द्य

हाँ कहने से पहले सोचे

कभी-कभी कुछ बातें कहीं किसी और अर्थ में जाती है और सामने वाला उसे किसी और संदर्भ में ले जाता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि हमें अपनी बात को सही ढंग से समझाना नहीं आता। अगर हमारे पास सीमित समय है तो किसी को हाँ कह देने से ही उसका काम समय पर नहीं कर पाएंगे, यानी परिणाम तक पहुँचते-पहुँचते वह काम ना में ही बदल जाएगा, क्योंकि समय की कमी उसे पूरा नहीं होने देगी। ऐसे में पहले ही ना कह देना ज्यादा अच्छा होता है।

अपनी इच्छा अनुसार चलने वाले ज्यादा खुश

दूसरे लोग हमें पसंद करें, हमारी तारीफ करें इसकी कई व्यक्तियों में इतनी ज्यादा इच्छा होती है कि अपनी इच्छाओं और जरूरतों को दरकिनार कर वे दूसरे को खुश करने में लगे रहते हैं। नतीजा वह अपने कामों को सही तरीके से नहीं कर पाते। जब सच में हमें किसी से ना कहना हो तो उस समय हाँ कहना अच्छी बात नहीं होती।

हमेशा ही यस की गुडिया न बने

आमतौर पर महिलाओं का मानना होता है कि यदि वे दूसरों की खुशी का ध्यान नहीं रखेंगी तो वह आत्मकेंद्रित हो सकती हैं। इससे उनके आस-पास कोई सहयोगी नहीं होगा। यह सोच गलत भी हो सकती है क्योंकि अपनी कीमत पर दूसरों को खुश करने की कोशिश में जरूरी नहीं कि वे उनसे खुश हों। इस तरह हमेशा घर या कार्यस्थल पर यस की गुडिया बने रहना ठीक नहीं है।

श्याम कुमार कोलारे
छिन्दवाड़ा
मध्यप्रदेश

यौन शिक्षा : समाज की सोच में आ रहा बदलाव

भारत में यौन शिक्षा को लेकर अभी भी चर्चा रहस्यमयी या मायावी बनी हुई है। कोई भी इस विषय पर खुलकर चर्चा नहीं करना चाहता जबकि यह मसला सामाजिक तौर पर बेहद गंभीर है। विश्व की कई संस्थाएं इसे समाज के लिए अग्रणी मुददों में गिनती हैं। यूनेस्को के मुताबिक 39 फीसदी देशों के पास अभी यौन शिक्षा को लेकर राष्ट्रीय नीति बनी हुई है, वहीं दुनिया के मात्र 20 फीसदी देशों में यौन शिक्षा पर कानून है। चौंकाने वाली बात यह है कि जिस सेक्स एजुकेशन यानी यौन शिक्षा को लेकर लोग आपस में खुलकर बात नहीं करना चाहते, उसी यौन शिक्षा पर दुनिया के कुछ देशों में कानून भी लागू हो चुका है। यह कानून यौन शिक्षा के प्रति वहां जागरूकता का संदेश दे रहा है।

यूनेस्को की एक रिपोर्ट के मुताबिक मात्र 20 फीसदी देशों में यह कानून लागू है जबकि 39 फीसदी देशों के पास इस शिक्षा को लेकर राष्ट्रीय नीति तैयार हो चुकी है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि प्राथमिक शिक्षा में यौन शिक्षा 68 फीसदी देशों और माध्यमिक शिक्षा में 76 देशों में अनिवार्य हो गई है जबकि ज्यादातर देशों में यौन और घरेलू व्यवहार तथा लैंगिक हिंसा जैसे विषय शामिल हैं।

भारत की बात करें तो कुछ आंशिक पहल को छोड़कर यहां अभी इस मसले पर कोई ठोस नीति या कानून नहीं बन पाया है। दो तिहाई गर्भनिरोधक मुद्दे को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना अच्छा कदम माना जा सकता है। मगर खुलकर इसकी पैरवी सरकारी स्तर पर अभी भी नहीं हो पाई है। पाठयक्रम के अंतर्गत विस्तृत कामुकता शिक्षा, कामुकता के ज्ञान, भावनात्मक, शारीरिक और सामाजिक पहलुओं के बारे में पढ़ाने अथवा सीखने का पाठ्यक्रम शामिल है। इसका मकसद बच्चों में ज्ञान, दृष्टिकोण और मूल्यों को समझाना है। यह उनके स्वास्थ्य, सम्मान और कल्याण का अहसास कराने के लिए उन्हें सशक्त बनाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि कामुकता मानव जीवन का अभिन्न अंग है। हालांकि रिश्ते और सेक्स के बारे में युवाओं को वैज्ञानिकता के साथ विकसित करना थोड़ा मुश्किल है। मगर यह भी सच्चाई है कि भ्रमित करने वाली जानकारी या संदेश बचपन से वयस्क होने तक उनके जीवन मूल्यों को और सहज बना देते हैं। बचपन में घरों के अंदर मां-बाप या बुजुगरे के माध्यम से इस शिक्षा की नींव पड़नी चाहिए। फिर स्कूलों में शिक्षकों या गुरुजनों के माध्यम से यौन शिक्षा आधारित यौन शिक्षा ज्ञान का प्रसार होना चाहिए। हालांकि हमारे देश में ऐसे विचारों को लेकर विरोध भी हुए हैं। बुद्धिजीवियों का एक वर्ग इसकी आलोचना करता है, और कहता है कि भारतीय सभ्यता-संस्कृति के लिए यह उपयुक्त नहीं है।

सनद रहे कि 2007 में हालांकि भारत सरकार ने किशोर शिक्षा कार्यक्रम की शुरु आत की थी। मगर तब भी अंतरंग संबंधों के बारे में खुलकर बातचीत नहीं हुई। स्थिति यह है कि आज भी हम बगैर शर्म या हिंचक के 'सेक्स' शब्द भी बोल नहीं सकते। मगर युवाओं में उनके शरीर में होने वाले परिवर्तनों की जानकारी के लिए भी यह शिक्षा जरूरी है। इसकी पैरवी करने वाले, विरोध करने वालों से ज्यादा हैं। आज लड़कियों के मासिक धर्मचक्र के बारे में उन्हें समझाने की जरूरत है। सेक्स के बारे में जागरूकता इसलिए भी जरूरी है कि गर्भधारण के समय एचआईवी, एड्स जैसी बीमारियों से कैसे बचाव किया जाए, उन्हें पता होनी चाहिए या उन्हें निरोधक सामग्री खरीदने में शर्म महसूस न हो, इसलिए भी यह शिक्षा जरूरी है।

विशेषज्ञों के मुताबिक रेप या जबरदस्ती वाले शारीरिक संबंधों को समाप्त करने के लिए इस शिक्षा को महत्त्वपूर्ण माना गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग के अध्ययन के मुताबिक ज्यादातर बच्चे आज इस तरह की शिक्षा के अभाव में यौन उत्पीड़न के शिकार हो रहे हैं। समाज में यौन उत्पीड़न के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। यौन अपराध बढ़ रहे हैं। भारत में आज भी यौन शिक्षा को लेकर खुलकर चर्चा नहीं हो रही है। इसे सार्वजनिक बोलचाल में आज भी भारी झिझक एवं बेचैनी के साथ प्रस्तुत किया जाता है। विरोध में तर्क है कि कामुकता के बारे में शिक्षा निजी मामला है, और यह भारतीय संस्कृति के खिलाफ जाती है। यह किशोरों को अनैतिकता और स्वच्छता की ओर ले जाती है, इसलिए सरकार को किसी भी रूप में इस शिक्षा को बढ़ावा दिए जाने का सुझाव नहीं दिया गया।

हालांकि भारत की हालिया नई शिक्षा नीति में इसे लेकर कुछ मामूली तब्दीली जरूर हुई है। इससे हमारे समाज का कितना भला होगा, कहना मुश्किल है। लेकिन हम दावे के साथ कह सकते हैं कि हमारी सामाजिक सोच के स्तर में भी इस विषय को लेकर बदलाव आया है, और बात 'गुड टच और बैड टच' से आगे निकली है। इससे हमारे देश के बच्चों में यौन शिक्षा के प्रति जागरूकता आएगी और हमारे युवाओं की सोच में बदलाव आएगा। जाहिर है कि इससे देश भी बदलेगा।

सुशील देव

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

चैत्र नवरात्रि आज से,मंदिरों में प्रज्जवलित होंगे ज्योति कलश

- संवाददाता -
अंबिकापुर,21 मार्च 2023
(घटती-घटना)।

चैत्र नवरात्रि बुधवार से प्रारंभ हो रही है। नवरात्रि की समाप्ति 30 मार्च को होगी। इस वर्ष पूरे नौ दिनों का नवरात्र है। नवरात्र को लेकर जिला मुख्यायलय अंबिकापुर सहित पूरे संभाग में देवी मंदिरों में तैयारी पूर्ण कर ली गई है। नवरात्र के पहले दिन से ही देवी मंदिरों में मातारानी के दर्शन के लिए भक्तों का रेला उमड़ेगा। नवरात्रि के पहले दिन कलश स्थापना या घट स्थापना का महत्व है। प्रथम दिन देवी मंदिरों व शक्तिपीठों में भी ज्योति कलश प्रज्ज्वलित होंगे। शहर के मां महामाया मंदिर, दुर्गा मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। महामाया मंदिर के पुजारी ने बताया कि इस वर्ष पिछ्ले वर्षों की तुलना में ज्योति कलश प्रज्ज्वलित के लिए ज्यादा रशीद काटे गए हैं। उन्होंने बताया कि महामाया मंदिर में कुल 48 सौ से ज्यादा ज्योति कलाश प्रज्ज्वलित किए जाने की उम्मीद है। वहीं गांधी चौक स्थित दुर्गा मंदिर में भी चार हजार के करीब ज्योति कलश प्रज्जवलित होने के अनुमान है। ज्योति कलश के लिए रशित काटे जाने का सिलसिला अभी जारी है। मनोकामना ज्योति कलश के रशिद कटाने के लिए भक्त शहर सहित काफी दूर-दूर से पहुंच रहे हैं। महामाया मंदिर में सुबह की आरती 5.15 बजे व शाम की आरती 7.30 बजे होगी। महंगाई काफी चरम पर है। इसका असर पूजा-पाठ में भी दिखना शुरू हो गया है। हालांकि मंदिर समिति द्वारा ज्योति कशल रशिद में कोई बढोतरी नहीं की गई है। महंगाई के कारण पिछले नवरात में महामाया मंदिर में घी के ज्योति कलश के लिए 100 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी पर इस वर्ष 100 रुपए कम लिया जा रहा है। घी के ज्योति कलश के लिए 1500 जबकि तेल के ज्योति कलश प्रज्ज्वलित करने वाले श्रद्धालुओं से 600 रुपए शुल्क लिया जा रहा है।महामाया मंदिर के पुजारी ने बताया कि इस वर्ष पूरे 9 दिनों की नवरात्रि है। इस वर्ष मां महामाया के दर्शन-पूजन मंदिर परिसर के अंदर से श्रद्धालु कर सकेंगे। वहीं इस वर्ष महामाया मंदिर में 3 हजार तेल व 18 सौ घी के ज्योति कलश प्रज्ज्वलित किए जाने का अनुमान है। इसी तरह गांधी चौक स्थित दुर्गा मंदिर में भी चार हजार से ज्यादा ज्योति कलश प्रज्जवलित किए जाने का अनुमान है। वहीं मंदिरों में इस वर्ष मां के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को पूरी छूट रहेगी।

आईजी ने मणिपुर थाना में किया ई-मालखाना का शुभारंभ

- संवाददाता -
अंबिकापुर,21 मार्च 2023
(घटती-घटना)।

आईजी राम गोपाल गर्ग एवं पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता द्वारा थाना मणिपुर में ई मालखाना का उद्घाटन फीता काट कर किया गया। पुलिस अधीक्षक सरगुजा के निर्देशन में जिला सरगुजा के सभी थानों की कार्यप्रणाली को सरल करने नवाचार पर आगामी रुपरेखा तैयार कर सभी थानों को नई तकनीक के माध्यम से जोडने् हेतु ई मालखाना की कार्ययोजना बनाई गई है।

इसी क्रम में थाना लखनपुर के पश्चात थाना मणिपुर में ई मालखाना को मूर्त रूप प्रदान करते हुए थाने में जब्त सम्पतियों की बार कोडिंग कर सॉफ्टवेयर के माध्यम से कनेक्ट किया गया है। उक्त सॉफ्टवेयर के माध्यम से थानों में जब्त सभी सम्पतियों की ऑनलाइन इन्ट्री की जा सकेगी साथ ही जब्त माल की बार कोड स्कैन कर वास्तविक स्तिथि का पता किया जा सकता है। उद्घाटन समारोह के दौरान आईजी ने ई मालखाना की कार्यप्रणाली को बेहतर बताते हुए नवीन तकनीक के माध्यम से वर्तमान समस्याओं के निराकरण करने की बात कही। पुलिस अधीक्षक द्वारा ई मालखाना प्रारम्भ होने के पश्चात भी जब्ती रजिस्टर में जब्त माल की अधतन एंट्री दर्ज रखने हेतु दिशा निर्देश दिए गए एवं प्रत्येक थानों को ई मालखाना के संचालन हेतु अधिकारियों कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने की कार्ययोजना बताई गई। साथ ही अगले क्रम में थाना गांधीनगर एवं थाना सीतापुर को ई-मालखाना से जोडने् हेतु निर्देशित किया गया है। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला, नगर पुलिस अधीक्षक स्मृतिक राजनाला, नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा रोबिनसन गुडिया़, अनुविभागिय अधिकारी सीतापुर अखिलेश कौशिक, रक्षित निरीक्षक जयराम चेरमाको, थाना प्रभारी मणिपुर सरफराज फिरदौसी एवं थाना मणिपुर के समस्त अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

शासकीय अस्पतालों में ओपीडी,आईपीडी दवा एवं सभी प्रकार के डायग्नोस्टिक टेस्ट होंगे निःशुल्क

- संवाददाता -
अंबिकापुर,21 मार्च 2023
(घटती-घटना)।

2018 में कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र के शिल्पकार टीएस सिंहदेव की स्वयं की महत्वकांक्षी योजना यूनिवर्सल हेल्थ केयर 1 जून से आकार ले लेगी। छत्तीसगढ विधानसभा में आज अपने विभाग के बजटीय अभिभाषण में उन्होने घोषणा की है कि 1 जून से छत्तीसगढ स्वास्थ्य न्याय योजना को लागू कर प्रदेश के सभी नागरिकों को शासकीय अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थाओं में सारी सेवायें यथा ओपीडी, आईपीडी दवा, सभी प्रकार के डायग्नोस्टिक टेस्ट निःशुल्क उपलब्ध करायेंगे, जिससे कैशलेस सरकारी अस्पताल की परिकल्पना पूर्ण हो जायेगी। वर्ष 2017-18 मे महज 3375.27 करोड के बजट पर चलने वाले छत्तीसगढ स्वास्थ्य विभाग को इस परिकल्पना को संजोने के लिये 2023-24 में 5484.55 करोड की भारी-भरकम राशि प्राप्त हुई है। 2018 में स्वस्थय मंत्रालय संम्हालने के बाद टीएस।सिंहदेव निरंतर देश-विदेश में प्रवास कर इस योजना के क्रियान्वयन के लिये जानकारियों का संग्रहण करते रहे। प्राप्त इनपुट के आधार पर वे निरंतर छत्तीसगढ स्वास्थ्य विभाग के ढांचे में सुधार करते रहे। नतीजा आज स्वस्थ्य विभाग इस योग्य हो गया कि वो कैशलेस सरकारी अस्पताल को मूर्तरुप दे प्रदेश के नागरिकों का मुफ्त इलाज देगा। उनके बजटीय भाषण से यह भी स्पष्ट हुआ है कि स्वास्थ्य विभाग ने न केवल स्वास्थ्य सुविधाओं को बढाया है, बल्कि लगभग 20000 नौकरियों का भी सृजन किया है। इस वर्ष के बजट के क्रियान्वयन में स्वास्थ्य विभाग करीब 10000 और नौकरियां देगा। आज के बजटीय भाषण में उन्होंने उन आधारभूत सुधारों और बदलावों का विवरण दिया है जो कि स्वास्थ्य विभाग का दयित्व सम्हालने के उपरांत उनके नेतृत्व में हुए।

नशीले पदार्थ सप्लाइ के मामले में पुलिस ने झारखंड के मेडिकल दुकान संचालक को किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,21 मार्च 2023
(घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस ने नशे के सप्लायर को झारखंड के लातेहार जिले से गिरफ्तार किया है। आरोपी मेडिकल दुकान संचालक है। वह मेडिकल दुकान के माध्यम से नशीले इंतेक्शव व दवाइयों को तस्करी कराता था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार गांधीनगर पुलिस ने जनवरी महीने में नशीले पदार्थ की तस्करी के मामले में झारखंड के दो तस्करों को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने इनके पास से काफी मात्र में नशीले पदार्थ जब्त किए थे। मेन सप्लायर को पुलिस तलाश कर रही थी। उक्त मामले में एक मेडिकल दुकान संचालक द्वारा नशीला पदार्थ उपलब्ध कराया जाना पता चला था मामले में कार्रवाई करते हुए मेडिकल दुकान संचालक संतोष कुमार निवासी लातेहार झारखण्ड को गिरफ्तार किया है। आरोपी मेडिकल दुकान की आड़ में नशीले पदार्थ की तस्करी किया जाता था। पुलिस ने इसे गिरफ्तार कर इसके खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक धीरेन्द्र नाथ दुबे, सहायक उप निरीक्षक विनय सिंह, प्रआर राधा यादव, आरक्षक अरविन्द उपाध्याय, अमृत सिंह, प्रविन्द्र सिंह, पवन यादव शामिल रहे।

10 राज्यों की टीम एसएलआरएम मॉडल का करेंगे अध्ययन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,21 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

भारत सरकार, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के निर्देश पर स्वछोत्सव अंतर्गत देश के 10 राज्य मणिपुर, नागालैंड, मिजोरम, आसाम, उत्तरप्रदेश, जम्मू कश्मीर , वेस्ट बंगाल, ओडिशा, केरल एवं उत्तराखंड राज्य से टीम अंबिकापुर पहुंची। यहां चल रहे एसएलआरएम मॉडल के अध्ययन करेंगे। जिसके प्रथम बैच में 5 राज्य के 50 सदस्यीय दल 22 मार्च को भ्रमण पर करेगी और एसएलआरएम व स्वच्छता की जानकारी लेगी। इस टीम में राज्यों के स्व सहायता समूह एवं निकाय के अधिकारी शामिल रहेंगे।

ऑटो पलटने से घायल चालक की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,21 मार्च 2023
(घटती-घटना)।

ऑटो पलटने से चालक गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार इंद्रदेव मरकाम पिता रामऔतार गोड़ उम्र 29 वर्ष रामानुजगंज थाना क्षेत्र के ग्राम भवानीपुर का रहने वाला था। इंद्रदेव ऑटो चलाने का काम करता था। 20 मार्च को वह ऑटो चलाने गया था। रास्ते में तेतरडीह पंचायत भवन के पास अनियंत्रित होकर ऑटो पलट गई। दुर्घटना में चालक इंद्रदेव गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। सूचना पर परिजन उसे इलाज के लिए बलरामपुर अस्पताल में भर्ती करवाया। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

शहादत दिवस पर निकाली जाएगी प्रभात फेरी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,21 मार्च 2023
(घटती-घटना)।

शहादत दिवस के अवसर पर 23 मार्च की सुबह इप्टा अंबिकापुर द्वारा प्रभात फेरी निकाली जाएगी। 23 मार्च को ही शहीद भगत ड्क्षसह, राजगुरु व सुखदव को फांसी दी गई थी। इस दिन को शहादत दिवस के रूप में मनाया जाता है। अंबिकापुर इप्टा द्वारा प्रभात फेरी निकाली जाएगी। प्रभात फेरी गांधी चौक से शुरू होगी और महामाया चौक पर शहीदों को पुष्प तथा मौन श्रद्धांजलि दी जाएगी। इस दौरान विभिन्न वक्ताओं ने अपने-अपने विचार रखेंगे। इप्टा ने कार्यक्रम में काफी संख्या में लोगों को शामिल होने की अपील की है।

अभिव्यक्ति महिला जागरूकता सप्ताह का हुआ समापन

» बच्चों ने छत्तीसगढ़ी गीत व गानों की दी शानदार प्रस्तुति

- संवाददाता -
सूरजपुर,21 मार्च 2023
(घटती-घटना)।

अभिव्यक्ति महिला जागरूकता सप्ताह के दौरान सात दिनों तक चले इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित कीगई, इन सभी प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत करने सोमवार को रक्षित केन्द्र में पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजनकर इसमें शामिल प्रतिभागियों को पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू ने ईनाम प्रदाय कर सम्मानित किया। आयोजन को सफल बनाने मेंलगन से कार्य करने वाले पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने छत्तीसगढ़ी गीत व गाने कीशानदार प्रस्तुति देकर अपना हुनर दिखाया। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर जिले में अभिव्यक्ति महिला जागरूकता सप्ताह दिनांक13 से 19 मनाया गया। इन सात दिनों में महिलाओं-छात्राओं को महिला सुरक्षा एवं महिला सशक्तिकरण, महिला सुरक्षा के लिए बनेकानूनों, साइबर अपराध, कानून में महिलाओं को प्राप्त मूलभूत अधिकार सहित कई अहम जानकारियों से अवगत कराया गया तथाविभिन्न प्रकार के खेलकूद एक्टिविटी एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया जिसका पुरस्कार वितरण कार्यक्रम सोमवार, 21 मार्च को पुलिस लाईन में किया गया।

अभिव्यक्ति कार्यक्रम का उद्धेश्य महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूकता फैलाना है। उन्होंने अधिकसे अधिक अभिव्यक्ति ऐप का इस्तेमाल करने तथा आस-पड़ोस की महिला-बालिकाओं को अभिव्यक्ति की जानकारी देते हुए उन्हेंजागरूक करने कहा। इस दौरान प्रशिक्षु डीएसपी दीपमाला कुर्रे, रक्षित निरीक्षक भूपेन्द्र कुर्रे, एसआई आराधना बनोदे सहित पुलिस केअधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

विजेताओं को मिला ईनाम

अभिव्यक्ति महिला जागरूकता सप्ताह के अन्तर्गत छात्राओं-महिलाओं के लिए कुर्सी दौड़, जलेबी दौड़, रस्सा खींच, क्रिकेट एवंचित्रकारी प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। ड्राईंग प्रतियोगिता में प्रथम महिमा सिंह, द्वितीय खुशी मिंज, तृतीय प्रतिष्ठाश्रीवास्तव, रस्सा खींच प्रतियोगिता के लिए एब्रेन्सिया खलखो व टीम, जलेबी दौड़ महिला में प्रथम गीता सिंह, द्वितीय प्रमिला मिंज, तृतीय वृन्दा सिदार, कुर्सी दौड़ में प्रथम सुमित्रा सिंह, द्वितीय वृन्दा सिदार, तृतीय हेमन्ती सिंह, जलेबी दौड़ बालिका में प्रथम सेजल सिंह, द्वितीय अनिषा एक्का, तृतीय जानवी सिंह, जलेबी दौड़ बालक में प्रथम प्रियांशु, द्वितीय अविनाश, तृतीय आदर्श तथा महिला क्रिकेटप्रतियोगिता में भारती राजवाड़े को वुमेन आफ द सिरिज तथा गायत्री मानिकपुरी को वुमेन आफ द मैच रहे जिन्हें पुलिस अधीक्षक नेईनाम प्रदाय किया।

शहर के बीचो-बीच खड़ी यात्री बस में लगी भीषण आग

- संवाददाता -
अंबिकापुर,21 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

शहर के बसंतलाल मार्ग पर स्थित अजय अग्रवाल के घर के पास महीनों से खड़ी बस में मंगलवार की सुबह करीब 9 बजे अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग विकराल रूप से लिया। सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। तब तक बस पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी।

जानकारी के अनुसार राधेकृष्णा नामक एक यात्री बस शहर के बसंतलाल गली में खड़ी रहती थी। मंगलवार की सुबह करीब 9 बजे बस में अचानक आग लग गई। आग देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। जानकारी मिलने पर निगम सभापति अजय अग्रवाल ने घटना की जानकारी फायर ब्रिगेड को दी। सूचना पर दमकल की टीम मौके पर पहुंची और करीब 40 मिनट के मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। तब तक बस पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी।

जंगली सूअर ने शहर में मचाया उत्पात,दो महिलाओं पर किया हमला

- संवाददाता -
अंबिकापुर,21 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

महामाया पहाड़ से उतरकर जंगली सूअर मंगलवार की सुबह शहर में पहुंच गया। हरसागर तालाब के पास सबसे पहले एक महिला पर हमला कर दिया। इससे महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई। इसके बाद चांदनी चौक के पास पहुंच गया और मॉर्निंग वाक पर निकली एक और महिला पर हमला कर दिया। दोनों महिलाओं को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लोगों द्वारा खदेड़े जाने पर सूअर गड़ाघाट जंगल की ओर भाग गया।

जंगली सूअर अचानक मंगलवार की सुबह शहर में प्रवेश कर गया। इसे लेकर लोगों में खलबली मच गई। सूअर महामाया पहाड़ से उतर कर हरसागर तालाब के पास पहुंच गया। हरसागर तालाब के पास घर के बाहर 60 वर्षीय महिला सुरईया बेगम टहल रही थी। सूअर ने अचालक इस पर हमला कर दिया। सूअर ने महिला के सिर व पेट को नोच दिया है। इससे महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई। सूअर ने आस पास के काफी लोगों को देखा तो वह भाग कर चांदनी चौक के पास पहुंच गया। यहां मंसा देवी नामक महिला मॉर्निंक वॉक कर रही थी। इस दौरान सूअर ने उस पर हमला कर दिया। इससे यह गंभीर रूप से जख्मी हो गई। दोनों के परिजन ने इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

CMYK

खालिस्तान समर्थकों के खिलाफ प्रवासी भारतीयों का प्रदर्शन,जय हो...पर किया डांस;पुलिसकर्मी भी थिरके

लंदन,21 मार्च 2023। हाल ही में अमृतपाल सिंह के समर्थन में खालिस्तान समर्थकों ने लंदन में भारतीय उच्चायोग के सामने तिरंगे को उतारकर खालिस्तान का झंडा लगा दिया था, इसके बाद अब लंदन में भारतीयों ने एकजुटता दिखाते हुए खालिस्तान समर्थकों के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया और एक बड़ी मांग कि लंदन के मेयर सादिक खान और ब्रिटिश सरकार अपराधियों के खिलाफ जल्द से जल्द कार्रवाई करें।

भारतीयों द्वारा सभा में कहा गया कि खालिस्तान को कोई मानने वाला नहीं है। एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि हम सादिक खान और ब्रिटिश सरकार से बयान नहीं बल्कि कार्रवाई की मांग करते हैं। एक वीडियो में प्रदर्शनकारियों को फिल्म %स्लमडॉग मिलियनेयर% के %जय हो% की धुन पर नाचते देखा गया। गौरतलब है कि इस

शांतिपूर्ण विरोध के दौरान, ब्रिटिश सुरक्षा अधिकारी भी भारतीय प्रवासी के सदस्यों को थिरकती, देशभक्ति की धुन पर थिरकते हुए देखा जा रहा है।

एक अन्य प्रदर्शनकारी ने कहा कि रविवार को जो कुछ हुआ उसके बाद भारत और भारत सरकार के समर्थन में उतरना मेरा कर्तव्य था। मुझे लगता है कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम भारतीय ध्वज के अपमान पर अपनी निराशा और गुस्सा व्यक्त करें। हम सभी हमारे तिरंगे के नीचे एकजुट होकर खड़े हैं। लंदन में एक खालिस्तान समर्थक प्रदर्शनकारी रविवार को भारतीय उच्चायोग की बालकनी पर चढ़ गया और भारतीय झंडा नीचे खींच लिया। इसी घटना का एक वीडियो सोशल वीडियो पर वायरल हुआ था।

हमले में पीटीआई नेता समेत दस की मौत

इस्लामाबाद 21 मार्च, 2023। खैबर पख्तूनख्वास एबटाबाद जिले में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के एक नेता और नौ अन्य की मौत हो गई। एबटाबाद के जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) उमर तुफैल ने इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि हवेलियां के लंगड़ा गांव के पास एक प्रतिद्वंद्वी समूह ने वाहन पर गोलियां चला दी, जिससे वाहन का ईंधन टैंक फट गया। उन्होंने कहा कि वाहन में आग लग गई और वह पूरी तरह से नष्ट हो गया। इस घटना में पीटीआई नेता आतिफ मुंसिफ खान सहित 10 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

ब्रिटेन के सांसद ने खालिस्तानी समर्थकों को दिया सख्त संदेश,पुलिस से कहा-इन्हें गिरफ्तार करो

नई दिल्ली,21 मार्च 2023। लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग पर खालिस्तानी समर्थकों के हमले पर ब्रिटेन के सांसद बॉब ब्लैकमैन ने आक्रोश प्रकट किया है। बॉब ने खालिस्तानी समर्थकों को चेतावनी देते हुए लंदन पुलिस से इनपर सख्त कार्रवाई करने के लिए कहा। बॉब ने कहा, %यह सिख समुदाय का एक बहुत छोटा, अति-छोटा तबका है। इस देश में सिखों का विशाल बहुमत खालिस्तानी प्रोजेक्ट और विचारधारा को पूरी तरह से खारिज करता है... और ये हम जानते हैं। मेरा संदेश पुलिस के लिए बहुत सरल और साफ है। जब ऐसा होता है (खालिस्तानी समर्थकों द्वारा भारतीय समुदाय या दूतावास पर हमला), तो उन लोगों को गिरफ्तार करके सबक सिखाएं। उनसे उचित तरीके से निपटने की आवश्यकता है।

लंदन में क्या हुआ था?

भारत में वारिस पंजाब दे संगठन के जत्थेदार और खालिस्तानी अमृतपाल सिंह के खिलाफ कार्रवाई चल रही है। इसी कार्रवाई से खालिस्तान समर्थक तमतमाए हुए हैं और उनके द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। लंदन में भारतीय उच्चायोग में हुए विरोध प्रदर्शन भी इन्हीं विरोध प्रदर्शनों का हिस्सा था।

रविवार को कुछ खालिस्तान समर्थकों ने लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग से भारतीय राष्ट्रीय ध्वज को उतारने की कोशिश की और खालिस्तान के समर्थन में नारेबाजी की। दूतावास में तोड़फोड़ भी की। हालांकि भारतीय उच्चायोग के एक अधिकारी ने गजब की हिम्मत दिखाते हुए खालिस्तानियों का विरोध किया और खालिस्तानी झंडे को फहराने की कोशिश कर रहे युवक से खालिस्तानी झंडा लेकर फेंक दिया। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब देखा जा रहा है और लोग भारतीय उच्चायोग के अधिकारी की हिम्मत की तारीफ कर रहे हैं। वहीं घटना के बाद खालिस्तानियों को कड़ा जवाब देते हुए भारतीय उच्चायोग पर एक विशाल तिरंगा झंडा फहराया गया है।

शी जिनपिंग की मॉस्को यात्रा पर है पश्चिमी देशों की कड़ी नजर

वॉशिंगटन,21 मार्च 2023।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की रूस यात्रा पर पश्चिमी राजधानियों में कड़ी निगाह रखी जा रही है। यहां आम राय है कि शी चीन के बढ़ते कूटनीतिक प्रभाव का मुजाहिरा करने के लिए इस यात्रा पर निकले हैं। शी जिनपिंग सोमवार को मास्को पहुंचे, जहां उनका असाधारण स्वागत किया गया। वहां पहुंचने के तुरंत बाद उनकी रूस के साथ राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन से अनौपचारिक बातचीत हुई, जो साढ़े चार घंटों तक चलती रही।

पश्चिमी विश्लेषकों के मुताबिक शी और पुतिन इस यात्रा को अमेरिकी नेतृत्व वाली विश्व व्यवस्था को खुली चुनौती देने का मौका बना रहे हैं। शी ने मास्को पहुंचने के बाद कहा- हम चाहते हैं कि दुनिया अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक चले, ना कि ÷किसी के÷ बनाए नियमों के तहत। इस टिप्पणी के जरिए शी ने अमेरिका पर सीधा निशाना साधा। कुछ अमेरिकी विश्लेषकों के मुताबिक अपने राष्ट्रपति की इस यात्रा के जरिए चीन खुद को शांति दूत के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहा है। चीन की तरफ से ऐसे संकेत दिए गए हैं कि राष्ट्रपति शी की एक खास कोशिश यूक्रेन युद्ध समाप्त कराने की होगी। कुछ चीनी विश्लेषकों ने इसे 'शांति के लिए यात्रा' नाम भी दिया है। यह यात्रा सऊदी अरब और ईरान के बीच समझौता कराने में चीन को मिली कामयाबी के कुछ ही दिन बाद हो रही है। पिछले महीने चीन ने यूक्रेन युद्ध समाप्त कराने का अपना 12 सूत्री फॉर्मूला भी पेश किया था।

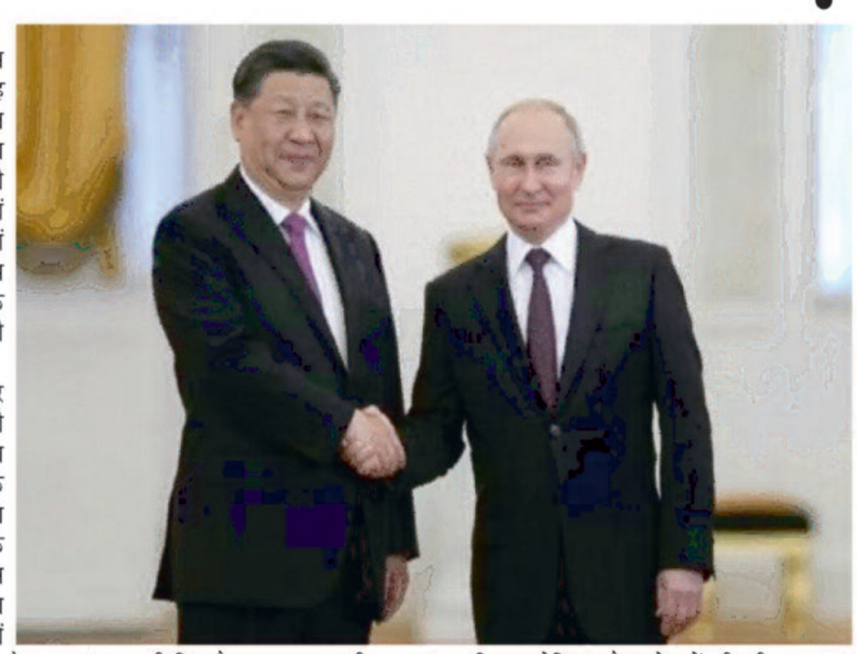

टीवी चैनल सीएनएन के एक विश्लेषण के मुताबिक अमेरिका और यूरोप में शी की इस यात्रा को रूस के लिए उनके मजबूत समर्थन के रूप में देखा जा रहा है। कुछ ही रोज पहले अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) ने 'युद्ध अपराध' के आरोप में पुतिन के खिलाफ वारंट जारी किया। इसके बावजूद शी अपनी यात्रा का कार्यक्रम पर अडिग रहे। इसके अलावा पश्चिमी राजधानियों में आशंका है कि इस यात्रा के दौरान शी रूस को हथियारों की आपूर्ति के लिए सहमत हो सकते हैं।

कुछ हफ्ते पहले अमेरिका ने आरोप लगाया था कि चीन रूस को हथियार देने की तैयारी में है। तब अमेरिका ने चेतावनी दी थी कि अगर चीन ने ऐसा किया, तो उसे युद्ध को भड़काने वाला कदम माना जाएगा और तब अमेरिका उस पर प्रतिबंध लगा सकता है। तब चीन ने इस आरोप का मखौल उड़ाया था। इस सिलसिले में अब अमेरिकी अधिकारी शी की मास्को में हो रही वार्ताओं पर नजर रख रहे हैं। यूक्रेन की भी इस यात्रा पर कड़ी नजर है। वॉशिंगटन स्थित यूक्रेन की राजदूत ओकसाना मारकरोवा ने सीएनएन से बातचीत में कहा- 'हम उम्मीद कर रहे हैं कि चीन इस भयानक युद्ध में रूस का साथी नहीं बनेगा।' विश्लेषकों के मुताबिक मास्को में शी के सामने अपने को एक तटस्थ शांति दूत के रूप में पेश करने की चुनौती है। उनके सामने यह सुनिश्चित करने की चुनौती भी है कि अमेरिका और यूरोप चीन से और अधिक नाराज ना हो जाएं। यात्रा के मौके पर रूसी मीडिया में शी जिनपिंग का एक लेख छपा है। इसमें शी ने अपनी मौजूदा यात्रा को 'दोस्ती, सहयोग और शांति' के लिए यात्रा बताया है।

पाकिस्तान में आसमान छू रहे आटे के दाम,लोग ट्रकों से लूटकर ले जा रहे बोरियां,कब सुधरेंगे हालात?

नई दिल्ली,21मार्च 2023।

पाकिस्तान अब तक के सबसे खराब दौर से गुजर रहा है। पिछले कई हफ्तों से देश में आटे की कीमतें आसमान छू रही हैं। कराची और देश के अन्य हिस्सों में आटे की कीमतों के सभी रिकॉर्ड टूट गए हैं। पाकिस्तान के इतिहास में पहली बार गेहूं के आटे का 20 किलो का बैग 3,100 पाकिस्तानी रुपये (करीब 910 भारतीय रुपये) तक पहुंच गया है। कीमतों में भारी बढ़ोतरी से सबसे ज्यादा परेशानी पाकिस्तान की आवाम को हो रही है। सरकारी सब्सिडी वाले आटे के लिए लंबी कतारें देखी जा रही हैं।

पाकिस्तान में आटे पर क्या हुआ है?

कराची और देश के अन्य हिस्सों में आटे की कीमतों के सभी रिकॉर्ड टूट गए हैं। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, कराची के लोग देश का सबसे महंगा आटा खरीदने को मजबूर हैं। यहां आटा 155 पाकिस्तानी रुपये प्रति किलोग्राम तक बिक रहा है। शहर में पिछले एक सप्ताह में आटे का 20 किलो का बैग 200 पाकिस्तानी रुपये महंगा हो गया है और यह 3100 पाकिस्तानी रुपये में मिल रहा है। इतनी कीमत में पाकिस्तान के इतिहास में पहली बार लोग आटा खरीद रहे हैं।

पाकिस्तान में आटे का संकट कितना गहरा है?

सांख्यिकी ब्यूरो की रिपोर्ट के मुताबिक, एक हफ्ते में मुल्तान में आटे का एक बैग 200 पाकिस्तानी रुपये, पेशावर में 100 पाकिस्तानी रुपये, हैदराबाद में 80 पाकिस्तानी रुपये और क्वेटा में 30 पाकिस्तानी रुपये तक महंगा हो गया है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, खुजदार में 20 किलो आटे का बैग 2,850 रुपये, हैदराबाद में 2,800 रुपये, क्वेटा में 2,780 रुपये, पेशावर में 2750 रुपये, लरकाना में 2640 रुपये, सुक्कर और मुल्तान में 2600 पाकिस्तानी रुपये पहुंच गया है। बन्नू में आटे की एक बोरी की कीमत 2550 पाकिस्तानी रुपये, गुजरांवाला में 2533 रुपये, इस्लामाबाद, रावलपिंडी, लाहौर और सियालकोट में 2250 रुपये पहुंच गई। हालांकि, सरकार की सब्सिडी के कारण लाहौर और इस्लामाबाद सहित पंजाब के सभी प्रमुख शहरों में आटे का एक बैग 1,295 रुपये में मिल रहा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में 5 किलो और 10 किलो आटे के बैग की कीमतें एक साल पहले की तुलना में लगभग दोगुनी हो गई हैं। इस्लामाबाद और रावलपिंडी में एक नान 30 रुपये में बिक रही है जबकि एक रोटी 25 रुपये में बिक रही है।

कमी का प्रभाव क्या पड़ रहा है?

आटे की बढ़ी कीमतों का बोझ पकिस्तान आवाम को सहना पड़ रहा है। कई शहरों में वितरण केंद्रों के बाहर लंबी लाइनें लगी हैं। स्थिति ये है कि लाहौर के कोट राधा किशन और कंगनपुर स्थित दो निशुल्क आटा वितरण केन्द्रों से सोमवार को लोगों ने एक हजार से अधिक आटे की थैलियां झपट लीं। दूसरी ओर, फूलनगर में, लंबे इंतजार के बावजूद आटे की आपूर्ति नहीं होने पर सैकड़ों लोगों ने फूलनगर बाईपास के पास मुल्तान रोड को जाम कर दिया और विरोध प्रदर्शन किया।

लोगों ने कंगनपुर के जमशेर कलां स्थित वितरण केंद्र से आटे की 280 बोरियां लूट लीं। अधिकारी लोगों से प्रक्रिया का पालन करने के लिए कहते रहे लेकिन महिलाओं सहित लोगों ने आटे के बैग ले जा रहे ट्रक पर हमला कर दिया और उसे लूट लिया। इसी तरह, कोट राधा किशन में नगरपालिका समिति के सामने आटे का बैग ले जा रहे एक ट्रक पर भीड़ ने हमला कर दिया और 781 बैग लूट ले गए। यहां के पटवारी ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ आटे का बैग छीनने का केस दर्ज करने के लिए पुलिस में आवेदन दिया है।

संकट की वजह क्या है?

पाकिस्तान की केंद्र और प्रांतीय सरकारें संकट के लिए एक-दूसरे को दोषी ठहरा रहीं हैं। वहीं, विशेषज्ञों का मानना है कि संकट की वजह रूस-यूक्रेन युद्ध, 2022 की विनाशकारी बाढ़ और अफगानिस्तान में गेहूं की तस्करी हैं। सिंध और बलूचिस्तान में गेहूं की कीमतों में बड़े पैमाने पर वृद्धि हुई है, जिनके भंडार बाढ़ के कारण नष्ट हो चुके हैं। पाकिस्तान के योजना आयोग के अनुसार, बाढ़ की वजह से कृषि और इसके जुड़े क्षेत्रों को 3.725 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ।

अफगानिस्तान में गेहूं की तस्करी भी एक बड़ी वजह है, जिसके चलते कमी होती है। खैबर पख्तूनख्वा अफगानिस्तान के साथ पोरस बार्डर साझा करता है। लोग पड़ोसी देश में अधिक मुनाफा पाने के लिए गेहूं की तस्करी करते हैं।

पाकिस्तान अपनी खपत की जरूरतों को पूरा करने के लिए गेहूं का आयात करता है, जिसमें से अधिकांश रूस और यूक्रेन से आता है। ऑब्जर्वेटरी ऑफ इकोनॉमिक कॉम्प्लेक्सिटी (ह्ब्ष्ट) के आंकड़ों के मुताबिक, 2020 में, पाकिस्तान ने 1.01 बिलियन डॉलर मूल्य का गेहूं आयात किया। सबसे अधिक यूक्रेन से 496 मिलियन डॉलर मूल्य का तो 394 मिलियन डॉलर मूल्य का गेंहू रूस से आया था।

सरकार क्या कर रही है?

स्थितियों का जायजा लेने के लिए प्रधानमंत्री के सलाहकार अहद खान चीमा बुधवार को लाहौर पहुंचे। यहां उन्होंने पंजाब के मुख्य सचिव के साथ शहर में मुफ्त आटा केंद्रों का दौरा किया और समानाबाद और सब्जजार में वितरण प्रक्रिया की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने लोगों की शिकायतें सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके निराकरण के आदेश दिए। उन्होंने निःशुल्क आटा प्राप्त करने में लोगों को आ रही समस्याओं का तत्काल समाधान करने और सत्यापन से लेकर आपूर्ति की प्रक्रिया को कम से कम समय में पूरा करने के निर्देश दिये हैं।

यूक्रेन ने रूस की कैलिबर क्रूज मिसाइलों को उड़ाया,ट्रेन से ले जाई जा रही थीं क्रीमिया

कीव, 21 मार्च 2023। यूक्रेन रूस के बीच चल रहे युद्ध का अभी तक कोई परिणाम सामने नहीं आ रहा है। इस बीच एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रूसी क्रूज मिसाइलों को हवाई हमले में नष्ट कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार मिसाइलों को रूस के कब्जे वाले क्रीमिया में दजानकोई शहर से ट्रेन से ले जाया जा रहा था। क्रीमिया पर 2014 से रूस का कब्जा है।

हालांकि, यूक्रेन ने क्रीमिया विस्फोट और बाद में रूसी क्रूज मिसाइलों के नष्ट करने की जिम्मेदारी सीधे तौर पर नहीं ली है। बताया जा रहा है कि मिसाइलों को ट्रेन के जरिए ले जाया जा रहा था और इन्हें पनडुब्बी के जरिए लॉन्च किया जाना था। रूस के कब्जे वाले क्षेत्र क्रीमिया के प्रमुख सर्गेई अस्क्योनोव ने विस्फोट की पुष्टि की और कहा कि इसके परिणामस्वरूप रक्षा प्रणाली सक्रिय हो गई थी।

रूस के दो सबसे महत्वपूर्ण सैन्य हवाई क्षेत्र दजानकोई और ग्वार्देस्कोये में स्थित हैं। दजानकोई एक महत्वपूर्ण सड़क और रेल जंक्शन भी है, जो दक्षिणी यूक्रेन में रूस के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हमले की क्रीमिया प्रायद्वीप के प्रमुख सर्गेई अस्क्योनोव ने पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति घायल हुआ है। दो इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं।

पुतिन के खिलाफ जारी किया था गिरफ्तारी वारंट

अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) ने यूक्रेन में युद्ध अपराधों के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ शुक्रवार को गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। कोर्ट ने कहा था कि पुतिन ने यूक्रेन में युद्ध अपराध किए हैं। वो यूक्रेनी बच्चों के अपहरण और डिपोर्टेशन के अपराध के लिए जिम्मेदार हैं। हालांकि, रूस ने युद्ध अपराधों के आरोपों से इनकार किया है। वारंट पर यूक्रेन की तरफ से भी प्रतिक्रिया दी गई है। युद्धग्रस्त देश ने कहा कि यह तो सिर्फ शुरुआत है। वारंट के बाद अब पुतिन के सामने और भी मुश्किल चुनौतियां आने वाली हैं।

इस बार जापान करेगा जी 7 शिखर सम्मेलन की मेजबानी, यूक्रेन के अलावा इन मुद्दों पर ध्यान रहेगा केंद्रित

टोक्यो,21 मार्च 2023। जापान में 19 मई को जी7 शिखर सम्मेलन की शुरुआत होगी और भारत जी20 की मेजबानी कर रहा है तो जापान जी7 शिखर सम्मेलन की मेजबारी करेगा। इस बीच जापान के स्थानीय न्यूज चैनल ने बताया कि वर्तमान जी7 अध्यक्ष जापान यूक्रेन के अलावा अन्य वैश्विक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेगा और अन्य सदस्यों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के बीच उठाएगा।

डब्ल्यूएचओ ने कहा ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण को कम करने के लिए जीवाश्म ईंधन पर अपनी निर्भरता को कम करने के लिए जी7 का आह्वान किया है। उनका मानना है कि जापान डीकार्बोनाइजेशन तकनीक की वकालत और निवेश करके अंतरराष्ट्रीय समुदाय में अग्रणी भूमिका निभा सकता है।

जापान 19 मई को किशिदा के निर्वाचन क्षेत्र हिरोशिमा में जी-7 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा, जिसमें पीएम मोदी भी हिस्सा लेंगे। मोदी उसी महीने सिडनी में होने वाले क्वाड समिट में भी शामिल होंगे। नई दिल्ली इस साल सितंबर में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन के साथ चार जुलाई को एससीओ शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा।

विश्लेषकों ने कहा कि जापान को अपने सिस्टम पर विशेषज्ञता की पेशकश करके अन्य देशों को सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल कवरेज को बढ़ावा देने में योगदान देना चाहिए, क्योंकि उसने 1961 से अपने सभी नागरिकों के लिए सार्वजनिक चिकित्सा बीमा प्रदान किया है। इस बीच, जापान से आग्रह किया गया है कि वह अपने जी7 समकक्षों को फुकुशिमा प्रान्त में अपने खराब पड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र से उपचारित पानी को प्रशांत महासागर में छोड़ने की अपनी योजना के बारे में बताए।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जापान जी7 की अध्यक्षता के रूप में अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए क्या कर सकता है और क्या करना चाहिए, इस बारे में गंभीरता से सोचने के लिए, प्रधानमंत्री को इस साल पहल करने और वैश्विक चुनौतियों के बारे में जानने की जरूरत है।

समूह की एकता को मजबूत करने और यूक्रेन के साथ अपनी अटूट एकजुटता प्रदर्शित करने के प्रयास में शुक्रवार को जी7 नेताओं ने किशिदा की अध्यक्षता में पहले शिखर सम्मेलन के लिए एक वीडियो बैठक आयोजित की जिसमें राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने भी सभा में भाग लिया।

सभा के बाद एक संयुक्त बयान में सुझाव दिया गया है जिसमें कहा गया है कि जी7 के नेताओं, जिसमें ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ शामिल हैं, सभी ने अपना अधिकांश समय यूक्रेन पर रूस के आक्रमण पर चर्चा करने के लिए समर्पित किया।

इसके अलावा पीएम किशिदा को वैश्विक समस्याओं को हल करने में मदद करने के लिए जापान की अत्याधुनिक तकनीकों और चिकित्सा और पर्यावरण विज्ञान जैसे क्षेत्रों में अनुभव का उपयोग करके जी7 में अपने प्रभाव को बढ़ाने की कोशिश करनी चाहिए।

कोरिया में 8 लाख व एमसीबी में 8 लाख 62 हज़ार से ज्यादा पौधा रोपण का लक्ष्य

- विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री बघेल ने किया मुख्यमंत्री वृक्ष सम्पदा योजना का वर्चुअल शुभारंभ
- ग्राम पिपरहिया में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, कलेक्टर और डीएफओ ने टिशु कल्चर सागौन का किया पौधरोपण
- योजना के तहत 553 हितग्राहियों के 850 एकड़ से अधिक भूमि में विभिन्न प्रजातियों के कुल लगभग 8 लाख पौधों का रोपण किया जायेगा
- एमसीबी जिले में ग्राम पंचायत पसौरी में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम
- योजना अंतर्गत 618 हितग्राहियों द्वारा 1136 एकड़ जमीन पर 8 लाख 62 हज़ार से ज्यादा पौधों का रोपण का लक्ष्य

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर/मनेन्द्रगढ़ 21 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना का राज्यव्यापी शुभारंभ किया। यह योजना वृक्षारोपण के ज़रिए ग्रामीणों की आय बढ़ाने के साथ-साथ छत्तीसगढ़ में ग्रीन कवर बढ़ाने की एक महत्वकांक्षी योजना है। राज्य शासन की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना के शुभारंभ पर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में बैकुंठपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पिपरहिया-चिल्का में भूमि स्वामी श्रीमति भुनिला पैंकरा के 10 एकड़ जमीन पर 2500 टिशू कल्चर सागौन के पौधरोपण किया गया।

आज यहां कोरिया जिले के ग्राम पंचायत पिपरहिया के ग्राम चिल्का में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रेणुका सिंह, उपाध्यक्ष श्री वेदांती तिवारी, कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह, पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल, वनमण्डल अधिकारी बैकुंठपुर श्रीमती प्रभाकर खलखो, संचालक गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान रामाकृष्ण, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती नम्रता जैन, स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं हितग्राही तथा आमजन उपस्थित रहे। जिला स्तरीय आयोजन में मौजूद जनप्रतिनिधियों ने आमजन को संबोधित करते हुए योजना का लाभ उठाने की अपील की। इस अवसर पर वनमण्डलाधिकारी बैकुंठपुर श्रीमती प्रभाकर खलखो ने बताया कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा 21 मार्च 2023 को विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना का शुभांरभ किया गया है। इस योजना अंतर्गत समस्त वर्ग के सभी इच्छुक भूमि स्वामी, शासकीय, अर्द्ध शासकीय एवं शासन की स्वायत्त संस्थाऐं, निजी शिक्षण संस्थाऐं, निजी ट्रस्ट, गैर शासकीय संस्थाऐ, पंचायते तथा भूमि अनुबंध धारक इस योजना का लाभ ले सकते है। हितग्राही की निजी भूमि में 05 एकड़ तक रोपण हेतु 100 प्रतिशत तथा 05 एकड़ से अधिक क्षेत्र में रोपण हेतु 50 प्रतिशत वित्तीय अनुदान शासन द्वारा हितग्राहियों को प्रदाय किया जावेगा।

553 हितग्राहियों द्वारा 850 एकड़ से अधिक भूमि में विभिन्न प्रजातियों के लगभग 8 लाख पौधों का रोपण किया जायेगा

कलेक्टर लंगेह ने बताया कि जिले में इस योजना के तहत 553 हितग्राहियों द्वारा 850 एकड़ से अधिक भूमि में विभिन्न प्रजातियों के लगभग 8 लाख पौधों का रोपण किया जायेगा। ग्राम पिपरहिया की योजना की हितग्राही एवं भूमि स्वामी श्रीमती भुनिला पैंकरा ने बताया कि जैसे ही उन्हें इस योजना के बारे में पता चला उन्होंने तत्काल अपने 10 एकड़ पड़त भूमि पर 2500 टिशू कल्चर सागौन के पौधे लगाने हेतु इच्छा जाहिर की। उन्होंने कहा कि इस योजना से वास्तव में भूमि का उपयोग और आर्थिक लाभ होगा। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर शहीद महेंद्र कर्मा तेंदूपत्ता संग्राहक बीमा सुरक्षा योजना अंतर्गत 26 हितग्राहियों के खाते में बीमा की राशि ऑनलाइन ट्रान्सफर किया गया। उल्लेखनीय है कि राज्य में इस योजना के माध्यम से प्रति वर्ष 36 हज़ार एकड़ के मान से कुल 05 वर्षों में 1 लाख 80 हज़ार एकड़ में 15 करोड़ पौधों के रोपण का लक्ष्य रखा गया है। शासन द्वारा चयनित वृक्ष प्रजातियों की खरीदी के लिए प्रतिवर्ष न्यूनतम क्रय मूल्य निर्धारित किया जावेगा, जिससे कृषकों को निश्चित आय प्राप्त हो सके। वनक्षेत्र से बाहर लकड़ी के उत्पादन बढ़ने से काष्ठ आधारित उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही कार्बन क्रेडिट के माध्यम से भी कृषकों को अतिरिक्त आय प्राप्त होने का संभावना है। योजना अंतर्गत क्लोनल नीलगिरी, टिश्यू कल्चर बांस, सागौन, मालाबार नीम जैसे आर्थिक लाभ देने वाले पौधों का रोपण किया जाएगा।

618 हितग्राहियों के द्वारा 1136 एकड़ जमीन पर 8 लाख 62 हज़ार से ज्यादा पौधों का रोपण का लक्ष्य

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री वन संपदा योजना का वर्चुअल माध्यम से शुभारंभ किया। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में वन सम्पदा योजना के माध्यम से वर्ष 2023 हेतु रोपण के लिए 618 हितग्राहियों के द्वारा 1136 एकड़ जमीन पर 8 लाख 62 हज़ार से ज्यादा पौधों का रोपण का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री वृक्ष सम्पदा योजना छत्तीसगढ़ में वाणिज्यिक वृक्षारोपण को बढ़ावा देने मुख्यमंत्री की पहल पर शुरू की गई है। जिला स्तरीय कार्यक्रम में भू स्वामी श्रीमती उषा पटेल की भूमि पर वृक्षारोपण कर योजना की शुरुआत की गई। यहां 5 एकड़ भूमि पर टिशू कल्चर सागौन प्रजाति के 1481 पौधों का रोपण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने वृक्ष सम्पदा योजना के शुभारंभ के अवसर पर सामुदायिक वन संसाधन अधिकार जारी करने की प्रक्रिया को ट्रेक करने हेतु मोबाईल ऐप और एनटीपीएस (ट्रांसपोर्ट परमिशन) की ऑनलाइन सुविधा का भी लोकार्पण किया। इस अवसर पर शहीद महेन्द्र कर्मा सामाजिक सुरक्षा योजना के अंतर्गत हितग्राहियों के खाते में बीमा राशि का भी हस्तांतरण किया। एमसीबी जिले में उपस्थित हितग्राहियों को अतिथियों द्वारा चेक वितरण किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सभापति श्रीमती उषा सिंह, कलेक्टर पीएस ध्रुव, डीएफओ लोकनाथ पटेल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, अधिकारी-कर्मचारी एवं आमजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया।

किसान कल्याण संघ सरगुजा की बैठक संपन्न

- संवाददाता -
अंबिकापुर,21 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

विषय आधारित मुद्दों की समीक्षा बैठक किसान कल्याण संगठन सरगुजा द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र अंबिकापुर में विधिक सलाहकार श्री गोरेलाल राजवाड़े की मुख्य अतिथि में 18 मार्च को जिले में ब्लाक के पदाधिकारियों की उपस्थिति में संपन्न हुई बैठक में जिले के समस्त विकास खंडों के सभी पंचायतों में वालंटियर नियुक्ति किए जाने के साथ ही भारत सरकार द्वारा विशेष कार्य योजना को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किए जाने हेतु ट्रेनिंग सेंटर कोचिंग सेंटर ब्यूटी पार्लर अस्पताल जड़ी-बूटी उत्पादन वृद्ध आश्रम मिट्टी परीक्षण इत्यादि कार्यों हेतु भूमि उपलब्ध कराए जाने संबंधी व्यवस्था पर चर्चा किया गया जिसमें सभी ब्लॉक अध्यक्षों को 25 मार्च तक भूमि संबंधी जानकारी के साथ ही संबंधित समस्त ग्राम पंचायतों के समस्त ग्रामों में किसान कल्याण संगठन कार्यकर्ता वॉलिंटियर की नियुक्ति निर्धारित प्रपत्र के द्वारा संबंधित सभी ब्लॉक अध्यक्षों से आवेदन प्राप्त कर जिले में जमा करने को कहा गया है उक्त संदर्भ में इच्छुक प्रतिभागी अपने ब्लॉक अथवा जिले के संघ के अध्यक्ष से संपर्क कर उक्त कार्य योजना में अपना पंजीयन कराने को कहा गया है बैठक में अनीमा तिग्गा संजय यादव नीलकंठ राजवाड़े भरत लाल गुप्ता धर्म सिंह भुनेश्वर यादव गोरेलाल रजवाड़ी रोहित सिंह पैकरा गणेश यादव जयंतीलाल घनश्यामदास आशा तिर्की लता खुटे लीलावती निकोलस बड़ा निर्मल विमल तिर्की मीरा कुमारी राजदास प्रेमशिला सरिता सलवरवा अवंती तिर्की देव कुमारी भजन तीजन कंचन लता कुजुर सविता कुजुर अगस्त ईश्वर सिंह परमेश्वर सिंह उपस्थित रहे। उस बैठक में श्री पौलूस कुजूर को संगठन का जिला सचिव नियुक्त किया गया है।

बिजली की पूर्ति करने की मांगों को लेकर ज्ञापन सौपा

- संवाददाता -
सुरजपुर 21 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

आज सामाजिक कार्यकर्ता व युवा कांग्रेस के नेता दीपक कर के नेतृत्व में सुरजपुर विकाशखण्ड के ग्राम बेलटीकरी के ग्रामीणों ने सूरजपुर विद्युत विभाग के मुख्य कार्यपालन अभियंता को गांव में बिजली की पूर्ति करने की मांगों को लेकर ज्ञापन सौपा ।

ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने बताया कि सूरजपुर विकाशखण्ड के ग्राम-बेलटिकरी के महादेवपारा में लगभग 30 से 40 घर है जहां आज दिवश तक बिजली की व्यवस्था नही की गई है ,बच्चे ढिबरी के सहारे पढाई करने को मजबूर है ,किशान और ग्रामीण काफी परेशानियों से अपना जीवन निर्वाह कर रहे है । आज के दौर में भी किसी घर मे बिजली न पहुंचे तो ये कहि न कही जिला प्रशासन और विद्युत विभाग की लापरवाही और निष्क्रियता का परिणाम है जिसका खामियाजा गरीब ग्रामीण,किशान,और पढ़ने वाले छात्र उठा रहे है । ग्रामीण वर्ष 2019 से इस समस्या की ओर जिला प्रशासन और विद्युत विभाग का ध्यानाकर्षण करा रहे है इसके बावजूद आज दिवश तक कोई निराकरण नही किया गया है ।

उन्होंने जल्द से जल्द समस्त घरों में बिजली की व्यवस्था कराने की मांग की और जल्द से जल्द समाधान नही करने पर आंदोलन की भी चेतावनी दी ।

ज्ञापन सौपने में मुख्य रूप से मोनू सिंह,नीलेश, शिवप्रसाद, भूषण,मोहन,बृजलाल इत्यादि बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे ।

समाधान शिविर में हितग्राहियों को मिला जाति प्रमाण पत्र एवं राशन कार्ड

- संवाददाता -
अंबिकापुर,21 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

कलेक्टर कुंदन कुमार के निर्देशन तथा मार्गदर्शन में लगातार सभी तहसीलों में समाधान शिविर आयोजित किया जा रहा है। शिविर के माध्यम से ग्रामीणों की समस्या का समाधान किया जा रहा है। इसी तारतम्य में बतौली जनपद के ग्राम पंचायत झरगवां में मंगलवार को विकासखंड स्तरीय समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 49 राशन कार्ड, 100 बी-1 खसरा, 10 ऋष्टा-पुस्तिका, 50 जाति प्रमाण पत्र, खाद-बीज, 50 छाता व महिला बाल विकास विभाग के द्वारा पोषण टोकरी वितरित किया गया। शिविर में ग्राम पंचायत झरगवां और आसपास के ग्रामवासी शामिल हुए। शिविर में कुल ग्रामीणों के द्वारा विभिन्न मांगों एंव समस्या से प्रशासनिक अमले को कुल 180 दिया गया। मौके पर ही अधिकांश आवेदनों का निराकरण किया गया जिससे ग्रामीणों को तत्काल राहत मिली। शिविर में अपर कलेक्टर एएल ध्रु व, एसडीएम श्री रवि राही, एसडीओपी श्री ध्रुवेश जायसवाल सहित तहसीलदार तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

कोरिया एमसीबी की भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की बैठक संपन्न

- संवाददाता -
मनेन्द्रगढ़ 21 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के एमसीबी जिला एवं कोरिया जिला के पत्रकारों ने होली मिलन समारोह अमृतधारा में मनाया गया साथ ही बैठक पर चर्चा की गई। वार्तालाप में जनहित के मुद्दे पर चर्चा हुई राष्ट्रीय पत्रकार एमसीबी जिला अध्यक्ष ने समस्त प्रिंट मीडिया पत्रकार साथियों से अनुरोध किया निष्पक्ष खबर लगाएं शासन प्रशासन के कार्य प्रणाली पर हम लोकतंत्र के चौथे स्तंभ हैं।

गरीब तबके के लोग अपनी शिकायत लेकर शासन प्रशासन तक पहुंचा रहे हैं अधिकांश देखने को मिल रहा है। प्रशासन के उच्च अधिकारियों तक आवेदन तो पहुंच रहा है। आवेदनपत्र पर, कोई ठोस कार्रवाई होती हुई नजर नहीं आ रही है भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ खबर लगा कर शासन-प्रशासन को तब तक अवगत कराएगा, जब तक गरीबों को न्याय ना मिले। आज की बैठक में प्रदेश अध्यक्ष महेश प्रसाद, प्रदेश प्रवक्ता अविनाश चंद्र विश्वकर्मा, प्रदेश प्रवक्ता, कयूम अंसारी, प्रदेश सचिव हेमंत कुमार, प्रदेश प्रभारी द्रोणाचार्य दुबे, सरगुजा उपाध्यक्ष उग्रसेन पाल, जिला महासचिव मुस्ताक कुरेशी,अमित श्रीवास्तव संभागीय मीडिया प्रभारी, कोरिया अध्यक्ष सावन कुमार, एमसीबी जिला अध्यक्ष आनंद शर्मा, प्रमोद तिवारी, प्रदीप पाटकर, नोहर प्रसाद विश्वकर्मा, सुरेश कुमार, बाला राव, त्रिलोचन, करण सोनी, अजीत नारायण, नागेंद्र दुबे, संजय केसरवानी, महेंद्र शुक्ला, संजीव सिंह, राकेश कुमार, अंकित मिश्रा, गोपाल, अशोक कुमार, मोहम्मद जाकिर, कृपा दुबे, ऋषि शर्मा, अनिल पांडे, नोहर, दिनेश उपस्थित रहे।

लक्ष्मी मेडिकल स्टोर के संचालक ने निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का कराया आयोजन

- पटना में आयोजित हुआ स्वास्थ्य शिविर,आसपास के ग्रामीणों ने कराया स्वास्थ्य परीक्षण

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर 21 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

लक्ष्मी मेडिकल स्टोर पटना एवम लक्ष्मी डाइगानोस्टिक सूरजपुर के संयुक्त तत्वाधान में पटना आदर्श चौक स्थित लक्ष्मी मेडिकल स्टोर में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आसपास के ग्रामीणों ने अपना निशुल्क स्वास्थ्य जांच कराया।

बता दें की लक्ष्मी मेडिकल स्टोर एवम लक्ष्मी डाइगनोस्टिक सेंटर सूरजपुर ने इस एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया था और इस शिविर में गोयल हॉस्पिटल की संचालक स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर निधि गोयल ने उपस्थित होकर स्वास्थ्य परीक्षण किया। लक्ष्मी मेडिकल स्टोर के संचालक ने बताया की उनकी सोच है की लोगों को ग्रामीण स्तर पर ही स्वास्थ्य जांच की सुविधा मिल सके और उन्हे बीमारियों से निजात मिल सके। लक्ष्मी मेडिकल स्टोर के संचालक सृजन अग्रवाल ने यह भी बताया की वर्षों से उनका परिवार दवा व्यवसाय से जुड़ा हुआ ही और उनकी यह सोच है की वह लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा ग्राम स्तर पर ही उपलब्ध कराएं।

अमृतधारा पर्यटन स्थल में पार्किंग,सफाई,देखरेख व काटेज के लिए डीपीआरसी को जिम्मेदारी जिपं की सामान्य सभा की बैठक में लिया गया निर्णय

- सामान्य सभा की बैठक विभागीय योजनाओं की समीक्षा हुईसंपन्न

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर 21 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

अमृतधारा पर्यटन केंद्र के पास वाहनों की पार्किंग, काटेज, साफ सफाई की व्यवस्था अब डीपीआरसी के प्रभारी देखेंगे। जिला पंचायत की सामान्य सभा ने इस पर आम सहमति देते हुए प्रस्ताव पारित किया। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रेणुका सिंह ने इसे मानक के तौर पर आगामी तीन माह तक अवलोकन करने और उसके बाद निरंतर करने के निर्देश दिए। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रेणुका सिंह की अध्यक्षता में सामान्य सभा की बैठक गत दिवस मंथन कक्ष में संपन्न हुई। इस बैठक में विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति पर विभाग प्रमुखों द्वारा जानकारी प्रदान की गई और कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा और निर्णय हुए। सामान्य सभा की बैठक में जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी, जिला पंचायत की मुख्यकार्यपालन अधिकारी श्रीमती नम्रता जैन व अन्य निर्वाचित सदस्य शामिल हुए। बैठक के आरंभ में पूर्व बैठक के विषयों पर विभाग प्रमुखों द्वारा की गई विभागीय कार्यवाही से अवगत कराया गया। जिला पंचायत सदस्य रविशंकर सिंह ने वनांचल क्षेत्रों में बिजली बिल के सुधार की आवष्यकता का विषय उठाया इस पर जिला पंचायत सीइओ श्रीमती जैन ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को पूरे वनांचल क्षेत्र में निरंतर समस्या समाधान शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। जिला पंचायत सीइओ ने कहा कि इन शिविरों की तिथियां निष्चित कर सभी जनप्रतिनिधियों को एक पखवाड़े पूर्व सूचित करे और ग्राम पंचायतों के माध्यम से इसकी मुनादी और व्यापक प्रचार प्रसार अवश्य कराएं।

विभिन्न स्थायी समितियों की बैठक नियमित तौर पर आयोजित नहीं किए जाने पर आपत्ति जताते हुए सदस्यों ने सदन में चर्चा की। जिला पंचायत सीइओ ने सभी स्थायी समितियों की नियमित बैठक आयोजित कराने के निर्देष देते हुए कहा कि आगामी सामान्य सभा की बैठक के पूर्व अनिवार्य रूप से सभी स्थायी समितियों की बैठक सभापतियों की उपस्थिति में आयोजित कराई जाए। जिला पंचायत सदस्य श्री रविशंकर सिंह ने सदन में संचार संकर्म समिति के सभापति के तौर पर श्रीमती वंदना राजवाड़े को नियुक्त किए जाने की मांग की। इस पर अध्यक्ष उपाध्यक्ष एवं सभी सदस्यों ने एक मत से सहमति प्रकट की। जिला पंचायत सीइओ ने सभापति के चयन की समस्त आवष्यक कार्यवाही के लिए उप संचालक पंचायत को एक सप्ताह में कार्यवाही पूरी करने के निर्देष दिए। जिला पंचायत सीइओ ने सामान्य सभा की बैठक में सदस्यों के द्वारा रखे गए सभी विषयों पर तथा सदन के पटल पर दर्ज कराई गई समस्याओं के निराकरण की जानकारी एक पखवाड़े में देने के निर्देष दिए। उन्होने सभी विभाग प्रमुख को लिखित प्रतिवेदन के साथ संबंधित सदस्य को अवगत कराने के निर्देश दिए। सामान्य सभा की बैठक में अन्य सभी विभागों के द्वारा विभागीय योजनाओं की प्रगति का लिखित प्रतिवेदन सदन में रखा गया। सदस्यों के द्वारा अपने क्षेत्र की मांग व समस्याओं के संबंध में अवगत कराया गया। जिला पंचायत सीइओ ने सभी मांग समस्याओं के निराकरण के लिए विभाग प्रमुखों को समय सीमा मे कार्य करने के निर्देष दिए। इस बैठक में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती फूलमती सिंह, श्रीमती उषा सिंह, श्रीमती चुन्नी पैकरा, श्रीमती सुनीता कुर्रे, श्रीमती ज्योत्सना राजवाड़े, श्रीमती वंदना राजवाड़े, श्री दृगपाल सिंह, श्री रविषंकर सिंह तथा जनपद पंचायत बैकुण्ठपुर की अध्यक्ष श्रीमती सौभाग्यवती सिंह, खड़गवां की जनपद अध्यक्ष श्रीमती सोनमती उर्रे, जनपद पंचायत भरतपुर की श्रीमती राजकुमारी बैगा, सोनहत जनपद पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती लल्ली सिंह और सभी विभागों के कार्यालय प्रमुख उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय बाइक रैली के साथ पोषण पखवाड़ा का हुआ शुभारंभ

आंगनबाड़ी केन्द्रों व पंचायतो में पोषण जागरूकता के लिए 03 अप्रैल तक आयोजित होंगे विभिन्न कार्यक्रम

- संवाददाता -
कोरबा,21 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

पोषण अभियान अंतर्गत जिले में 20 मार्च से 03 अप्रैल तक पोषण पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। जिला पंचायत अध्यक्ष कोरबा श्रीमती शिवकला कंवर ने जिले में बाइक रैली को हरी झण्डी दिखाकर पोषण पखवाड़ा का शुभारंभ किया। इस जागरूकता रैली में राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती अर्चना उपाध्याय ने स्वयं स्कूटी चलाते हुए साथ में स्कूटी के पीछे सीट पर जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती प्रीति खोखर चखियार को बिठाकर जिले में लगभग 5 किलोमीटर तक स्कूटी चलाया। उन्होंने इसके माध्यम से लोगों को पोषण एवं स्वास्थ्य के बारे में जागरूक किया। यह रैली कलेक्टोरेट परिसर से निकलकर कोसाबाड़ी चौक होते हुए घंटाघर से बुधवारी बाजार से आईटीआई चौक होते हुए अपने गंतव्य स्थान में वापस आकर संपन्न हुआ। इस वर्ष पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत मुख्य रूप से 03 थीम अनुसार गतिविधि आयोजित की जा रही है। इसके

अंतर्गत पोषण कल्याण के लिए श्री अन्न मिलेट्स का प्रचार प्रसार और लोकप्रियता, स्वस्थ बालक बालिका स्पर्धा एवं सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र से संबंधित थीम के अनुसार 03 अप्रैल 2023 तक प्रतिदिन कैलेंडर अनुसार गतिविधि आयोजित की जाएगी। इस गतिविधि में जिले के समस्त आंगनबाड़ी केंद्रों, स्कूलों, ग्राम पंचायतों में लोगों को सुपोषण के संबंध में जागरूक किया जाएगा। साथ ही आयोजित गतिविधियों को पोषण ट्रैकर ऐप में भी प्रतिदिन इंद्राज किया जाएगा। पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत मिलेट्स से बने व्यंजनों की प्रतियोगिता, प्रदर्शनी एवं मिलेट्स जागरूकता कैम्प का भी आयोजन किया जाएगा। स्वसहायता समूह के सहयोग से मिलेट्स से बना हुआ तिरंगा थाली का भी प्रदर्शन किया जाएगा। पोषण पखवाड़ा के दौरान स्वस्थ बालक-बालिका स्पर्धा का आयोजन किया जाएगा। इसके अंतर्गत छह वर्ष तक के बच्चों का वजन लंबाई एवं ऊंचाई मापन किया जाएगा। पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत समुदाय आधारित गतिविधियों जैसे-सुपोषण चौपाल, महिला समूहो की बैठक, पालको का बैठक करना तथा लिंग संवेदनशील, जल प्रबंधन, एनीमिया की रोकथाम व प्रबंधन के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। इस पखवाड़ा में विभिन्न विभागों का भी समन्वय किया जा रहा है, ताकि कोरबा जिले में लोगो को कुपोषण के प्रति व एनीमिया रोकथाम के लिये जागरूक किया जा सकें। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग कोरबा श्रीमती चखियार ने बताया कि भारत सरकार व छत्तीसगढ़ राज्य महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत राज्य में 03 अप्रेल तक पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। पोषण पखवाड़ा अंतर्गत आंगनबाड़ी स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम का दिवस के अनुसार कैलेंडर जारी किया गया है। इस दौरान प्रतिदिन अलग-अलग गतिविधियों का आयोजन कर व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर पोषण सम्बन्धित व्यवहार परिवर्तन का प्रयास किया जाएगा।

महापौर कक्ष में तालाबंदी कर जंगी प्रदर्शन करने भाजपाइयों ने सौंपा ज्ञापन

- संवाददाता -
कोरबा, 21 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

कोरबा जिला भाजपा पार्षद दल की महत्वपूर्ण बैठक नगर निगम कार्यालय साकेत भवन में आयोजित हुई, जिसमें 24 मार्च को नगर निगम कार्यालय का घेराव करते हुए महापौर कक्ष में तालाबंदी कर जंगी प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया, इस संबंध में अपर कलेक्टर विजेंद्र पाटले, कोरबा जिला पुलिस अधीक्षक यू. उदय किरण, निगमायुक्त प्रभाकर पांडे को ज्ञापन सौंपा गया है । कोरबा जिला नगर निगम नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल ने आरोप लगाते हुए कहा कि शहर में विकास कार्य पूरी तरह ठप्प पड़े हैं। कोरबा के महापौर को जनता के सुख-दुख से कोई मतलब नहीं निगम द्वारा नियमितीकरण को लेकर लगातार तानाशाही की जा रही है जो कि सरासर गलत है। तत्काल नियमतिकरण सुलभ तरीके से हो इसकी व्यवस्था की जाए। कोरबा नगर निगम द्वारा स्वच्छता शुल्क संपत्ति कर के साथ जोड़ कर लिया जा रहा है जो कि सरासर गलत है। प्रदेश के अन्य नगर निगम में स्वच्छता शुल्क संपत्ति कर के साथ जोड़कर नहीं लिया जाता, तत्काल संपति कर में से स्वछता शुल्क हटाया जाए। नगर निगम क्षेत्र में सड़कों की स्थिति अत्यंत दयनीय है। वार्ड सहित मुख्य मार्गो की स्ट्रीट लाइट बंद पड़ी है। नालिया जाम पड़ी है। नल जल योजना के तहत केंद्र सरकार द्वारा लगभग 400 करोड़ रुपये कोरबा नगर निगम को उपलब्ध कराया गया। ताकि लोगो को 24 घंटे पेय जल की सुविधा उपलब्ध हो सकें परंतु वार्डवासियों को सुबह शाम 30 मिनट से कम पेयजल दिया जा रहा है। केंद्र सरकार की योजना को धरातल में तत्काल सुचारू रूप से प्रारंभ किया जाये। सामान्य सभा प्रत्येक 3 माह में हो इन मांगों को लेकर पत्राचार किया गया था। केंद्र सरकार द्वारा 14वे एवं 15वे वित्त के मद को दुरुपयोग एवं भेदभाव करते हुए भ्रष्टचार की बलि चढ़ रहा है, उक्त मद से विकास कार्य सभी वार्डों के कराया जाये नही तो इसके विरोध में, 24 मार्च को महापौर कार्यालय में तालाबंदी कर विरोध किया जाएगा बैठक में नगरीय निकाय प्रकोष्ठ के जिला संयोजक सुफल दास महंत, आरती विकास अग्रवाल, ऋतु चौरसिया, कमला देवी बरेठ, पुष्पा कंवर, धनश्री साहू, उर्वशी राठौर, भानुमति जायसवाल, प्रतिभा निखिल शर्मा, अनिता सुकुन्दी यादव, ममता बलीराम साहू, पुराइन कंवर, नारायण दास महंत, फिरत साहू, प्रेमचंद पांडेय, अमित मिंज, शैल राठौर, अजय गोंड, बुधवार साय यादव, विजय साहू सहित पार्षद उपस्थित रहे।

जादुई शक्ति से पहली बार किया जाएगा स्टैचू ऑफ लिबर्टी को गायब

- संवाददाता -
कोरबा,21 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

देश के अनेक राज्यों में अब तक 25000 से ज्यादा जादू के शो का प्रदर्शन कर चुके जाने-माने जादूगर ज्ञानेंद्र भार्गव ने कोरबा में पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि सम्मोहन और दृष्टि भ्रम जादू के मुख्य तत्व है। यह बात अलग है कि देश की इस प्राचीन कला को सहेजने के लिए सरकार उतनी गंभीर नहीं है ,जितना कि होना चाहिए। जैन मंदिर सभागार में जादू के शो प्रारंभ करने से पहले जादूगर ज्ञानेंद्र शर्मा ने पत्रकारों से चर्चा की और कई विषयों को स्पष्ट किया। जादूगर ज्ञानेन्द्र भार्गव निवासी चकसुचेर थाना बारा जिला प्रयागराज उत्तर प्रदेश के मूल निवासी हैं. भार्गव पाँच भाइयों में सबसे छोटे हैं. लालापुर तहसील प्रयाग विश्वविद्यालय से स्नातक करने के उपरान्त (बाद) उनका रुझान जादू कला की ओर हुआ। उन्होंने बताया कि उनके परिवार में दूर-दूर तक किसी का जादू से कोई नाता नही रहा. समस्त परिवार संगीत से जुड़ा है। भार्गव तबला, हारमोनियम गाते बजाते हैं. समस्त परिवार के बच्चे सरकारी सेवा में लगे है। उनका शो भारत के कई प्रदेशों में हो चुका है। पहली बार श्री भार्गव अपनी टीम के साथ कोरबा पहुंचे हैं बातचीत के दौरान उन्होंने संक्षिप्त उदाहरण प्रस्तुत किया और दिखाया कि जादू की कला क्या होती है और लोग इसे किस तरीके से देखते हैं। ज्ञानेंद्र ने बताया कि हमारी आंखों से जो कुछ दिखता है वैसा होता नहीं और इसे

कोरबा जैन मंदिर प्रांगण में जादुई खेल दिखाने आया देश का मशहूर जादूगर ज्ञानेंद्र भार्गव

ही जादू की कला में इल्यूजन का नाम दिया गया है। हिप्नोटिज्म और मसमराइस करना भी इसका एक हिस्सा है और इसके माध्यम से बहुत सारी विधाओं को आगे बढ़ाने का काम किया जाता है। जादूगर ज्ञानेंद्र भार्गव ने इस बात को भी कहा कि जादू हमारे देश की प्राचीन कला है लेकिन चिंता की बात यह है कि इसके संरक्षण को लेकर सरकार का रुख बेहद संवेदनशील नहीं है। जादू का प्रदर्शन करने के साथ वे बेटी बचाओ, पर्यावरण सुरक्षा, सौहार्द और शांति के साथ-साथ लोगों में समन्वय को बढ़ाने का संदेश भी देते हैं । कोरबा के जैन मंदिर सभागार मैं दिनांक 21 मार्च 2023 दोपहर 01: 00 बजे से भव्य शुभारंभ किया जा रहा है यह जादूगरी का खेल मंगलवार शनिवार और रविवार को 03 शो होंगे जबकि अन्य 4 दिन दो शो का प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेगा - स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी गायब, इच्छाधारी सांप कभी सांप तो कभी लड़की, भारत माता , भ्रष्टाचार नशा छोड़ो, नशा छुड़ाओं, मानव कटिंग जिसमें लगभग 10 फीट तक इंसानी शरीर को दो भागों में बांटा जाएगा एवं पुनः जोड़ दिया जाएगा , बरमूडा ट्रायंगल (त्रिकोण), साथ ही जादूगर स्वयं जमीन से 10 फुट ऊपर उड़ कर दिखाएगा, बंद बक्से से आजाद होना, मिस्त्र देश की शहजादी का आगमन आकाश मार्ग से जाकर गायब होना, भूतों का नायिका के सहित नाच आदि अनेको कार्यक्रम किए जाएंगे।

इतवारी बाजार में व्याप्त समस्याओं का निराकरण नहीं होने से 23 मार्च को व्यापारी संघ द्वारा किया जाएगा चक्का जाम

- संवाददाता -
कोरबा,21 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

इतवारी बाजार में समस्याओं का अंबार है जिसे लेकर व्यवसायियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके कारण यहां की व्यापारिक गतिविधियां बेहद प्रभावित हो रही है। इतवारी बाजार व्यापारी संघ के अध्यक्ष अनीस मेमन व्यापारियों की समस्याओं को लेकर लगातार प्रशासन और निगम के आला अफसरों तक अपनी बात विभिन्न माध्यमों से पहुंचा रहें हैं परन्तु अब तक समस्याओं के निराकरण को लेकर कोई भी गंभीर नजर नहीं आ रहा है। जिसे लेकर 23 मार्च को इतवारी बाजार व्यापारी संघ

द्वारा अनीस मेमन के नेतृत्व में हल्ला बोल प्रदर्शन किया जाएगा। अध्यक्ष अनीस मेमन ने बताया कि जिलाधीश के समक्ष भी उन्होंने यहां की समस्याओं को लेकर आवेदन प्रस्तुत किया था।कोरबा नगर के सबसे पुराने बाजार में इतवारी क्षेत्र का बाजार शुमार है। रविवार और गुरुवार को यहां साप्ताहिक बाजार लगता है। जिसके माध्यम से लोगों की सामान्य आवश्यकताएं पूरी होती हैं। व्यापारियों की सुविधा के लिए नगर निगम के द्वारा पिछले वर्षों में यहां चबूतरे और छायादार शेड तैयार कराए गए। लेकिन शॉपिंग कॉम्पलेक्स से लेकर आंतरिक मार्ग बदहाली का शिकार है। कई कारणों के कारण लोगों की पहुंच इस मार्केट में नहीं हो पा रही है। इसके चलते इतवारी बाजार मुख्य मार्ग पर संचालित होने वाली दुकानों पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। इतवारी बाजार की समस्याओं के मामले में अधिकारी केवल आश्वासन दे रहे हैं। व्यापारी संघ के अध्यक्ष मेमन ने बताया कि समस्याओं का निराकरण नहीं होने से 23 मार्च को मुख्य मार्ग पर चक्का जाम किया जाएगा जिसमें सैकड़ों लोग शामिल होंगे।

शासन ने अनियमित विकास के नियमितीकरण का दिया सुनहरा अवसर,लोग इसका लाभ उठाएं निगमायुक्त

- संवाददाता -
कोरबा,21 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय ने कहा है कि अनियमित रूप से निर्माण व विकास करने वाले व्यक्तियों को शासन ने नियमितीकरण का सुनहरा अवसर प्रदान किया है, अतः लोग इसका लाभ उठाएं । अनिवार्य रूप से नियमितीकरण करवाएं तथा इस हेतु निगम में आवेदन जमा करें। उन्होने आर्किटेक्ट इंजीनियर से कहा है कि वे नियमितीकरण के अधिकाधिक आवेदन जमा कराने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं । लोगों को नियमितीकरण कराने के फायदे तथा न कराने के नुकसान के संबंध में जानकारी दें, उन्हें प्रेरित करें कि वे नियमितीकरण हेतु जल्द से जल्द अपने आवेदन दें। आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय ने नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित सभाकक्ष में निगम के पंजीकृत आर्किटेक्ट इंजीनियर्स की एक महत्वपूर्ण बैठक लेकर अनियमित विकास के नियमितीकरण की कार्य प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने आर्किटेक्ट इंजीनियर्स के पास वर्तमान स्थिति में कितने-कितने आवेदन लंबित हैं, इसकी पृथक-पृथक जानकारी लेते हुए सभी लंबित आवेदनों पर नियमानुसार कार्यवाही करते हुए एक सप्ताह के अंदर निगम में जमा कराने को कहा। आयुक्त श्री पाण्डेय ने कहा कि शासन की गाइडलाइन के अनुसार नियमितीकरण का कार्य माह जुलाई 2023 तक करना है, चूंकि आवेदन प्राप्त करने से लेकर स्वीकृति देने तक की प्रक्रिया में समय लग जाता है, अतः जल्द से जल्द आवेदन निगम में जमा कराएं जाएं। उन्होने आर्किटेक्ट इंजीनियर्स से कहा कि वे प्राप्त आवेदनों को अपने पास लंबित न रखें, आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही कर उन्हें निगम में जमा कराएं ताकि सक्षम स्वीकृति हेतु प्रकरणों को जिला नियमितीकरण प्राधिकार समिति के समक्ष रखा जा सके।

नियमितीकरण के फायदे आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय ने आर्किटेक्ट इंजीनियर्स से कहा कि वे लोगों को यह जानकारी दें कि नियमितीकरण कराने के फायदें हैं, वहीं न कराने के नुकसान भी हैं। अनियमित विकास व निर्माण पर कभी भी कार्यवाही कर उसे हटाया जा सकता है, जबकि नियमितीकरण करा लेने के बाद वह अवैध निर्माण वैध हो जाता है, फिर उसे अवैध मानकर हटाया नहीं जा सकता। वास्तव में अनियमित विकास के नियमितीकरण का शासन द्वारा दिया गया यह विकल्प अनियमित विकास व निर्माण करने वालों के हित में है, जिसका लाभ उन्हें जल्द से जल्द उठाना चाहिए।

बिना अनुमति न हो निर्माण आयुक्त श्री प्रभाकर पाण्डेय ने कहा कि निगम क्षेत्र में कोई भी निर्माण बिना सक्षम अनुमति प्राप्त किए नहीं होना चाहिए, नियमों के अनुसार सभी निर्माण हेतु अनुमति लेना आवश्यक है। उन्होंने आर्किटेक्ट इंजीनियर से कहा कि यदि किसी व्यक्ति के पास भवन निर्माण की अनुमति नहीं है, तथा वह उनके पास नक्शा बनवाने आता है तो आप उसे नक्शा बनाने से मना कर दीजिए तथा उससे कहिए कि वह भवन निर्माण की सक्षम अनुमति लेकर आए तभी उसका नक्शा बनेगा, आयुक्त श्री पाण्डेय ने कहा कि इसी में शहर का हित है तथा निर्माण करने वाले व्यक्ति का हित भी इसी में निहित है।

दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण और सामग्री वितरण शिविर 05 अप्रैल से

- संवाददाता -
कोरबा,21 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

कोरबा कलेक्टर संजीव झा की पहल पर जिले के वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग जनों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यकतानुसार सामग्री वितरण किया जाएगा। जिसके लिए 05 अप्रैल से 14 अप्रैल तक विभिन्न जनपद पंचायतों एवं नगरीय निकायों में शिविर लगाए जाएंगे।कलेक्टर कोरबा द्वारा जारी आदेशानुसार 05 अप्रैल 2023 को जनपद पंचायत पाली एवं नगरीय निकाय पाली के दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए मंगल भवन पाली में शिविर लगाया जाएगा। इसी तरह जनपद पंचायत कटघोरा एवं नगरीय निकाय कटघोरा, दीपका एवं छुरीकला के दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए 08 अप्रैल को सद्भावना भवन कटघोरा में शिविर लगाया जाएगा।इसी तरह जनपद पंचायत करतला के सद्भावना भवन में 09 अप्रैल को, जनपद पंचायत कोरबा के ग्राम पंचायत भवन भैंसमा में 12 अप्रैल को तथा जनपद पंचायत पोड़ी-उपरोड़ा के सद्भावना भवन में 14 अप्रैल को शिविर लगाये जाएंगे। इन शिविरों के सफल आयोजन के लिए विभिन्न विभागों को दायित्व सौंपा गया है। पाली, कटघोरा, करतला, कोरबा और पोड़ी-उपरोड़ा जनपद पंचायतों को दिव्यांगजनों को शिविर स्थल पर लाने एवं परीक्षण पश्चात् सकुशल गंतव्य स्थल पर पहुंचाने, शिविर हेतु कुर्सी, टेबल, ध्वनि फोटोकॉपी मशीन, भोजन व्यवस्था, अधीनस्थ विभागीय अमलों की ड्युटी, जनपद पंचायत एवं नगरीय निकाय क्षेत्रांतर्गत व्यापक प्रचार-प्रसार करने, अतिथि आमंत्रण एवं मंच संचालन का दायित्व सौंपा गया है।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला कोरबा को शिविर स्थल पर मेडिकल बोर्ड के विशेषज्ञों की ड्युटी लगाने, दंत चिकित्सा की सेवाएं, चलित चिकित्सा इकाई की सेवाएं, दिव्यांजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को शिविर स्थल में चश्मा वितरण करने का दायित्व सौंपा गया है। पुलिस अधीक्षक कोरबा को शिविर स्थल पर यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था करने, चिकित्सा अधिकारी एनटीपीसी हॉस्पिटल जमनीपाली कोरबा को श्री जेना आर्थोप्रोस्थेटिक इंजीनियर एनटीपीसी हॉस्पिटल जमनीपाली की ड्यूटी लगाई जाने हेतु व शिविर स्थल में कटे-फटे हाथ पैर वाले व्यक्तियों के नाप लिया जा कर कृत्रिम हाथ पैर बनाने का दायित्व सौंपा गया है। उप संचालक समाज कल्याण विभाग कोरबा को समस्त फार्म-बैनर पोस्टर की छपाई एवं हितग्राहियों की फोटोग्राफी, जिला शिक्षा अधिकारी कोरबा को शिविर स्थल पर जिला परियोजना समन्वयक कोरबा के समग्र शिक्षा में कार्यरत विशेषज्ञों की ड्यूटी निर्धारित करने, श्रवण बाधित बच्चों को श्रवण यंत्र प्राप्त करने हेतु उपस्थित कराने का दायित्व सौंपा गया है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद दीपका, कटघोरा एवं नगर पंचायत छुरीकला व पाली क्षेत्र अंतर्गत दिव्यांगजनों को शिविर स्थल पर सकुशल लाने एवं परीक्षण पश्चात सकुशल गंतव्य स्थल पर पहुंचाने का दायित्व सौंपा गया है।

सर्वमंगला मंदिर में वसंत चैत्र नवरात्रि पर्व के अवसर पर 22 मार्च से प्रज्वलित होंगे मनोकामना ज्योति कलश

- संवाददाता -
कोरबा, 21 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

कोरबा जिले के हसदेव नदी के तट पर बसे प्रसिद्ध मां सर्वमंगला मंदिर में चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा 22 मार्च से प्रारंभ होगा । वसंत चैत्र नवरात्रि पर्व चैत्र शुक्ल पक्ष नवमी 30 मार्च तक मंदिर में सर्व मनोकामना ज्योति कलश

प्रज्वलित होगें। इसके अतिरिक्त यज्ञोपवीत संस्कार शतचंडी यज्ञ और जसगीत गायन कीर्तन भजन का आयोजन रखा गया है। मंदिर के राजपुरोहित पंडित नमन पांडेय ने धर्मानुरागियों से प्रार्थना द्वद्व है कि सर्वमंगला देवी के दर्शन लाभ चरणों में सर्व मनोकामना अर्पित कर अपना जीवन सफल बनाएं। मंदिर में सर्व मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित किए जाएंगे। तैल्य ज्योति 701 रुपये और घृत ज्योति कलश के लिए 2100 रुपये जमा कर मंदिर परिसर स्थित कार्यालय से रसीद प्राप्त कर सकते है। इसके अलावा मनोकामना ज्योति कलश प्रचलित कराने श्रद्धालु अविनाश ट्रेडर्स, अविनाश स्टेशनरी, दर्री रोड,जय माँ दक्षिणेश्वरी पूजन सामग्री बजरंग टॉकीज के सामने सीतामढी,गणेश आटो पार्ट्स व गणेश पान भंडार बालको नगर, सरस्वती बुक डिपो जुनाडीह दीपका ,रतन जनरल स्टोर विकास नगर कुसमुंडा, शंकर लाल दुबे छुरीकला, गायत्री मेडिको निहारिका, मित्तल आटो मोबाईल्स, सुराकछार,नरेश चौहान मुड़ापार नवधा चौक में संपर्क कर सकते हैं।

आधार फाइनेंशियल कंसलटेन्सी

सुविधाएँ : • पर्सनल लोन • बिजनेस लोन • प्रॉपर्टी लोन • होम लोन • जीवन बीमा • स्वास्थ्य बीमा • गाड़ी फाइनेंस • बैंकिंग ग्राहक सेवा केन्द्र

निःशुल्क फ्रेंचाइजी लेकर काम करने इच्छुक व्यक्ति भी संपर्क कर सकते हैं.

प्रमुख बैंकों व कई फाइनेंस कंपनियों द्वारा अधिकृत
आधार फाइनेंशियल कंसलटेन्सी
गुदरी गली, सेन्ट्रल बैंक के सामने अम्बिकापुर
मो.: 9993567065, 6232267065, 9754461011

Advt.B.19.3.23

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी(रा) सूरजपुर जिला सूरजपुर छ0ग0

रा0प्र0क्रं0 / अ-2/2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-सतपता को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री शहिद आलम पिता अस्फाक जाति धुनिया निवासी ग्राम सतपता तहसील लटोरी जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा उनके अधिपत्य एवं स्वत्व की भूमि ग्राम सतपता प.ह.न. 03 रा.नि.म. विश्रामपुर तहसील लटोरी स्थित स्वयं के खाते की भूमि खसरा क्रमांक 127/5 रकबा क्रमशः 0.030 हे. कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन के लिए भूमि व्यपवर्तन हेतु इस न्यायालय में आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक 31.03.2023 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
आज दिनांक 16.03.2023 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील **विशेष कर्त्तव्याधिकारी**
भूमि व्यपवर्तन सूरजपुर,

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0

रा0प्र0क्रं0 20230302120044/ अ-20(3)/2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक उमेश कुमार जायसवाल आ0 स्व0 रामदेव जायसवाल आयु लगभग 56 वर्ष निवासी डी0सी0 रोड अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वत्व व अधिपत्य की मोहल्ला महावीर वार्ड नगर अम्बिकापुर शीट क्रमांक-04 स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1893/4777/18 रकबा 6751.8 वर्गफीट भूमि को बैंक में बंधक रखने की अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्रदाय करने संबंधी आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र एवं मेन्टनेन्स खसरा एवं विक्रय पत्र की छायाप्रति पेश किया गया है।
उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 12/04/2023 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं।
नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 16/03/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील **नजूल अधिकारी**
अम्बिकापुर,

CMYK

इंडियन बैट्समैन को पार करनी होगी मिचेल की चुनौती

रोहित शर्मा,विराट कोहली,शुभमन गिल और सूर्यकुमार यादव की सितारा चौकड़ी को स्टार्क का सामना करने के लिये अपने पूरे अनुभव का उपयोग करना होगा

चेन्नई,21 मार्च 2023। मिचेल स्टार्क की अगुवाई में आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों की चुनौती का सामना करने के लिये भारतीय बल्लेबाजों को बुधवार को तीसरे एक दिवसीय क्रिकेट मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा और नजरें सूर्यकुमार यादव पर लगी होंगी। स्टार्क यदि बल्लेबाजों के लिये सिरदर्द बना हुआ है तो मिशेल मार्श ने भारतीय गेंदबाजों की नींदें उड़ा रखी हैं। दो मैचों में वह करीब एक दर्जन छक्के लगा चुके हैं। भारतीय टीम का सबसे पहला एजेंडा 'मिचेल द्वय चुनौती' से पार पाना होगा। श्रृंखला इस समय 1 . 1 से बराबर है। रोहित शर्मा, विराट कोहली, शुभमन गिल और सूर्यकुमार यादव की सितारा चौकड़ी को स्टार्क का सामना करने के लिये अपने पूरे अनुभव का उपयोग करना होगा। तकनीक में बदलाव के साथ मानसिक मजबूती के साथ भारतीय बल्लेबाजों को खेलना होगा।

भारत में सीमित ओवरों का क्रिकेट सपाट पिचों पर खेला जाता है जिन पर बहुत अधिक फुटवर्क की जरूरत नहीं होती। फ्रंटफुट पर खेलकर बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन कर सकता है। लेकिन स्टार्क ने सारे समीकरण बदल दिये। उनकी गेंद या तो मिडिल स्टम्प पर पड़ रही है या लेग मिडिल की तरफ। भारतीय बल्लेबाज पिछले दोनों मैचों में उसकी गेंदों की थाह पाने में नाकाम रहे। मुंबई में स्टार्क को पिच से मदद मिली तो विशाखापत्तनम समुद्र के किनारे होने से हवा में नमी थी। चेपॉक पर काफी समय बाद अंतरराष्ट्रीय मैच हो रहा है और नयी पिच पर सभी का ध्यान है। आम तौर पर चेपॉक पर धीमे गेंदबाजों की मददगार पिच होती है और बीच के ओवरों में रन बनाना मुश्किल होता है। इस बार हालांकि चेन्नई सुपर किंग्स की ताकत को ध्यान में रखकर पिच बनाई गई है और शुरूआत में तेज गेंदबाजों को मदद मिल सकती है। पिछले दोनों मैचों में सूर्यकुमार यादव खाता भी नहीं खोल सके जबकि टी20 क्रिकेट में वह जबर्दस्त फॉर्म में चल रहे थे। टीम में श्रेयस अय्यर नहीं है और सूर्य के पास वनडे विश्व कप के लिये टीम में जगह पक्की करने का यह सुनहरा मौका है लेकिन वह इसके साथ न्याय नहीं कर पा रहे हैं। कप्तान रोहित ने पिछले मैच के बाद कहा था ,'' हमने देखा है कि वह वनडे में भी अच्छा खेल सकता है। उसे भी यह पता है। मेरा मानना है कि क्षमतावान खिलाड़ियों को कभी यह नहीं लगना चाहिये कि उन्हें पर्याप्त मौके नहीं मिले।''

उन्होंने कहा ,'' सूर्य पिछले दोनों मैचों में नहीं चल सका लेकिन उसे लगातार मौके देने की जरूरत है ताकि वह सहज महसूस कर सके।'' भारतीय गेंदबाजों को पिछले दो मैचों में 47 ओवर (36 और 11) ही डालने पड़े। मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज चाहेंगे कि टॉस जीतने पर रोहित गेंदबाजी करें। देखना यह है कि शार्दुल ठाकुर या जयदेव उनादकट को मौका मिलता है या रविंद्र जडेजा के साथ कुलदीप यादव और अक्षर पटेल दोनों खेलते हैं। टीमें : भारतः रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, लोकेश राहुल(विकेटकीपर), ईशान किशन, हार्दिक पंड्या, रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव, वाशिंगटन सुंदर, युजवेंद्र चहल, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, उमरान मलिक, शारदुल ठाकुर , अक्षर पटेल, जयदेव उनादकट। ऑस्ट्रेलियाः स्टीव स्मिथ (कप्तान), डेविड वार्नर, ट्रेविस हेड, मार्नुस लाबुशेन, मिशेल मार्श, मार्कस स्टोइनिस, एलेक्स कैरी, ग्लेन मैक्सवेल, कैमरून ग्रीन, जोश इंग्लिस, सीन एबॉट, एश्टन एगर, मिशेल स्टार्क, नाथन एलिस, एडम जम्पा। मैच दोपहर एक बजकर 30 मिनट पर शुरू होगा।

अच्छे खिलाड़ियों को खोने से टीम संयोजन बिगड़ा : मिताली राज

मुंबई ,21 मार्च 2023। गुजरात जाइंट्स की मेंटोर मिताली राज और मुख्य कोच रशेल हैंस ने टीम क महिला प्रीमियर लीग से बाहर होने के बाद कहा कि टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही प्रमुख खिलाड़ियों को खोने से टीम संयोजन बिगड़ा। कप्तान और आस्ट्रेलिया की सलामी बल्लेबाज बेथ मूनी पहले ही दिन चोटिल हो गई और बाकी मैच नहीं खेल सकी। मिताली ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा ,'' हमारी टीम अच्छी थी लेकिन नतीजे हमारे पक्ष में नहीं रहे। हमने प्रमुख खिलाड़ियों को शुरू में गंवा दिया जिससे टीम संयोजन बिगड़ गया। इसके बावजूद टीम ने जीत की ललक दिखाई।'' अपने आखिरी मैच में यूपी वारियर्स से हारकर गुजरात जाइंट्स बाहर हो गई। वहीं हैंस ने कहा ,'' इतनी शानदार टीम के मुख्य कोच के रूप में मेरा अनुभव बहुत अच्छा रहा। हमने कठिन पल देखे लेकिन टीम ने जुझारू प्रदर्शन किया।

तुर्की में ट्रेनिंग लेंगे ओलंपिक गोल्ड मेडल विजेता नीरज चोपड़ा

» खास स्कीम के जरिए मिलेगा प्रशिक्षण

नयी दिल्ली ,21 मार्च 2023। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा 61 दिनों तक तुर्की के ग्लोरिया स्पोर्ट्स एरिना में प्रशिक्षण लेंगे जिसके खर्च का वहन टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) के जरिये होगा। खेल मंत्रालय ने यह जानकारी दी। इस 25 बरस के इस खिलाड़ी ने पिछले साल भी यहीं अभ्यास किया था। मंत्रालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, '' युवा मामले और खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने 16 मार्च को ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा के ग्लोरिया स्पोर्ट्स एरिना, तुर्की में 61 दिनों की अवधि के लिए प्रशिक्षण देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।''

उन्होंने कहा, '' टॉप्स की ओर से जारी राशि में नीरज,

उनके कोच क्लॉस बार्टोनिट्ज और उनके फिजियोथेरेपिस्ट का हवाई किराया, रहने और खाने का खर्च, चिकित्सा बीमा और स्थानीय परिवहन लागत शामिल होगी।'' एमओसी सदस्यों ने बैडमिंटन खिलाड़ी प्रियांशु राजावत और विश्व जूनियर चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता शंकर मुथुसामी और बधिर ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता गोल्फ खिलाड़ी दीक्षा डागर को वित्तीय सहायता प्रदान करने के प्रस्तावों को भी मंजूरी दी।

वित्तीय सहायता में गोल्फ के उपकरण की खरीद और दीक्षा के लिए एक व्यक्तिगत कोच, फिटनेस और पोषण प्रशिक्षक की नियुक्ति शामिल है। इसमें स्विस ओपन, स्पेन मास्टर्स और ऑरलियन्स मास्टर्स में राजावत की भागीदारी और ओरलेन पोलिश ओपन और स्लोवेनिया योनेक्स ओपन में शंकर की भागीदारी पर होने वाला खर्च शामिल है।

महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिपः जैसमीन और शशि अगले दौर में

नयी दिल्ली ,21 मार्च 2023। राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जैसमीन लैम्बोरिया और शशि चोपड़ा ने महिंद्रा आईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप ने शानदार जीत दर्ज कर अगले दौर में प्रवेश किया। इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में भारत की सबसे कुशल युवा मुक्केबाज़ों में से एक जैसमीन ने 32 बाउट के 60 किग्रा राउंड में तंजानिया की न्यामबेगा बीट्राइस एम्ब्रोस के खिलाफ रेफरी स्टॉपिंग द कॉन्टेस्ट्स (आएससी) जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। हरियाणा की 21 वर्षीय मुक्केबाज़ ने अपने आक्रमण के इरादे से फ्रंट फुट पर शुरुआत की और पहले राउंड में विजेता घोषित होने से पहले केवल 12 सेकंड के भीतर अपने प्रतिद्वंद्वी को रस्सियों से घेरने के लिए मुक्कों की झड़ी लगा दी। टूर्नामेंट की सबसे तेज जीत में से एक के बाद, जैस्मीन अगले दौर में ताजिकिस्तान की समदोवा मिजगोना से भिड़ेंगी। दूसरी ओर शशि ने भी 63 किग्रा वर्ग में केन्या की मवांगी तेरेसिया को 5-0 से हरा दिया। भारतीय खिलाड़ी अपने प्रतिद्वंद्वी के लिए बहुत मजबूत साबित हुई। उन्होने अपने कुशल प्रहारों और कड़े बचाव का उपयोग करके बाउट को आराम से जीत लिया। वह राउंड ऑफ़ 16 में 2022 एशियाई चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता जापान की कीटो माई से भिड़ेंगी।

रानी रामपाल के नाम पर स्टेडियम

» यह सम्मान पाने वाली पहली महिला खिलाड़ी

नयी दिल्ली ,21 मार्च 2023। भारतीय हॉकी स्टार रानी रामपाल के नाम पर रायबरेली में स्टेडियम बनाया गया है और यह सम्मान पाने वाली वह पहली महिला खिलाड़ी बन गई। एमसीएफ रायबरेली का नाम अब 'रानीस गर्ल्स हॉकी टर्फ' रखा गया है। रानी ने सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीरें साझा की जिसमें उन्हें खिलाड़ियों से बात करते और स्टेडियम का उद्घाटन करते देखा जा सकता है। रानी ने ट्वीट किया ,'' अपनी खुशी मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकती। एमसीएफ रायबरेली हॉकी स्टेडियम का

नाम खेल में मेरे योगदान को देखते हुए रानीस गर्ल्स हॉकी टर्फ रखा गया है।'' उसने कहा ,'' मेरे लिये यह भावुक और गर्व करने वाला पल है। अपने नाम पर हॉकी स्टेडियम वाली मैं पहली महिला हॉकी खिलाड़ी हूं। मैं इसे भारतीय महिला हॉकी टीम को समर्पित करती हूं और उम्मीद करती हूं कि यह अगली पीढी को प्रेरित करेगा।'' रानी ने इस साल की शुरूआत में भारतीय टीम में वापसी की। इससे पहल उन्होंने 2021 . 22 में एफआईएच प्रो लीग खेला था जिसमें उन्होंने 250 अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे किये। तोक्यो ओलंपिक के बाद से चोटों से जूझ रही रानी विश्व कप और राष्ट्रमंडल खेलों की टीम में नहीं थी।

पाक क्रिकेट प्रमुख नजम सेठी का दावा

» डिजिटल रेटिंग मामले में पीएसएल ने आईपीएल को पीछे छोड़ा

लाहौर,21 मार्च 2023। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की अंतरिम प्रबंधन समिति के अध्यक्ष नजम सेठी ने दावा किया है कि पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) सीजन ने डिजिटल रेटिंग के मामले में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को पीछे छोड़ दिया है। सेठी ने कहा कि इस सीजन के पीएसएल को पिछले संस्करण में आईपीएल के 130 की तुलना में 150 की डिजिटल रेटिंग मिली है, जबकि इस आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रशंसकों के साथ-साथ पंजाब और सिंध की संघीय और प्रांतीय सरकारों का आभार व्यक्त किया।

एक नया विकल्प भी पेश किया गया था। 74 वर्षीय ने कहा, हमारे पास संयुक्त राज्य अमेरिका में लीग के कुछ मैच आयोजित करने का प्रस्ताव है और अगर हमें मौका मिलता है, तो हम उस विकल्प का पता लगाएंगे। और जनता की सुविधा के लिए स्टेडियमों के पास

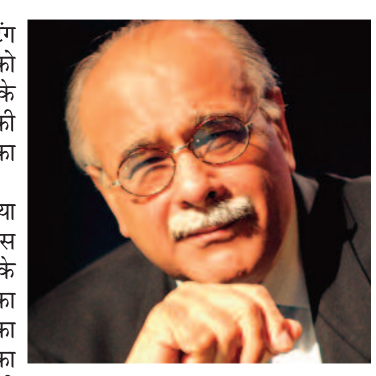

खिलाड़ियों के लिए पांच सितारा होटल बनाने के लिए लाहौर और कराची में सम्बंधित अधिकारियों से बात कर रहे हैं।

उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि कैसे पीएसएल ने प्रभावित किया है और देश की आर्थिक स्थिति को सुधारने में मदद की है।

सेठी ने सरकार को भुगतान किए गए करों का खुलासा करने से पहले कहा, पीएसएल ने देश के आर्थिक पहिए को आगे बढ़ाने में योगदान दिया है क्योंकि इसने नौकरी के अवसर पैदा किए और पर्यटन, होटल उद्योग, एयरलाइंस और सड़क यात्रा व्यवसाय को बढ़ने में मदद की। डॉन ने बताया, हमने संघीय सरकार को करों में 70 करोड़ रुपये, बिक्री करों में 50 करोड़ रुपये और प्रांतीय करों में 50 करोड़ रुपये का भुगतान किया है।

पीएसएल में टीमों को प्रायोजित करने वाली तीन सट्टेबाजी कंपनियों के मुद्दे पर, सेठी ने स्पष्ट किया कि समझौतों की समीक्षा की जाएगी क्योंकि वे पीसीबी प्रमुख के रूप में स्थापित होने से पहले हुए थे। उन्होंने कहा, पीसीबी धर्म, संस्कृति और देश की परंपरा के खिलाफ किसी भी गतिविधि में शामिल नहीं होगा।

मडगांव एक्सप्रेस को लेकर उत्सुक हैं कुणाल खेमू

बॉलीवुड अभिनेता कुणाल खेमू इन दिनों वेब सीरीज पॉप कौन को लेकर सुर्खियों में हैं। फरहाद सामजी के निर्देशन में बनी यह सीरीज हाल ही में डिज्नी+ हॉटस्टार पर रिलीज हुई है। अब अभिनेता जल्द ही अपनी कॉमेडी-ड्रामा फिल्म मडगांव एक्सप्रेस से बतौर निर्देशक नई पारी की शुरुआत करने जा रहे हैं, जिसको लेकर वह काफी उत्साहित हैं। पिछले महीने फिल्म की शूटिंग भी खत्म हो चुकी है और अब कुणाल ने अपना अनुभव साझा किया है। कुणाल ने बताया कि उन्होंने 2014-15 में मडगांव एक्सप्रेस की पटकथा लिखी थी। उन्होंने कहा, एक अभिनेता के रूप में कई बार होता है जब आपके पास काम नहीं होता है, उस समय या तो आप घूम सकते हैं या सोचते हैं कि क्या करना है। मैंने नई चीजें अपने बारे में जानी जैसे गिटार, बाइकिंग आदि, जो मुझे पसंद हैं। अभिनेता ने बताया कि उन्होंने गो गोवा गॉन के दौरान लिखना शुरू किया। कुणाल ने कहा, मैंने उस अनुभव और विचार का इस्तेमाल किया, जो मेरे पास था। मैंने उन्हें विकसित करना शुरू कर दिया। उस दौरान मैं जिससे गुजर रहा था, उसका सामना करने का यह मेरा तरीका था, जो बहुत बढ़िया रहा। कुणाल ने बताया कि उन्हें खुशी है कि एक्सेल एंटरटेनमेंट के फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी को उनकी पटकथा अच्छी लगी और उन्होंने फिल्म का निर्माण करने का फैसला किया।

कुणाल ने आगे कहा, इतने वर्षों में बहुत से लोग हैं,

जिन्होंने इसे दिलचस्प पाया है। मैं इसका निर्देशन करने के लिए खुद को भाग्यशाली मानता हूं। मैं खुश हूं कि मैंने ये कदम उठाया क्योंकि मैंने अभी तक के काम का आनंद लिया है। बता दें कि मडगांव एक्सप्रेस में दिव्येंदु शर्मा, प्रतीक गांधी, अविनाश तिवारी, नोरा फतेही, उपेंद्र लिमये और छाया कदम शामिल हैं। यह फिल्म साल के अंत तक सिनेमाघरों में दस्तक दे सकती है।

सामजी के निर्देशन में बनी वेब सीरीज पॉप कौन ओटीटी प्लेटफॉर्म पर 17 मार्च को रिलीज हो चुकी है। इसमें कुणाल के अलावा राजपाल यादव, सतीश कौशिक, जॉनी लीवर, सौरभ शुक्ला, चंकी पांडे, जेमी लीवर और नूपुर सैनन मुख्य भूमिका में हैं। बता दें कि यह दिवंगत अभिनेता कौशिक का आखिरी वेब शो है। 9 मार्च को दिल्ली में होली पार्टी के बाद अभिनेता का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था।

कुणाल ने बतौर बाल कलाकार अपने करियर की शुरुआत की थी। 2005 में कुणाल कलयुग में मुख्य कलाकार के तौर पर नजर आए। अभिनेता गो गोवा गॉन, गोलमाल फ्रेंचाइजी, लूटकेस जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। अब वह बतौर निर्देशक शुरुआत कर रहे हैं।

बैकलेस ड्रेस में अवनीत कौर ने गिराईं हुस्न की बिजलियां

टीवी एक्ट्रेस अवनीत कौर काफी समय से लगातार अपनी तस्वीरें शेयर करने में लगी हुई हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो वो फैंस के बीच तेजी से वायरल होने लगी हैं। हाल ही में एक्ट्रेस अवनीत कौर की लेटेस्ट तस्वीरों ने एक बार फिर से सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है। अवनीत कौर हमेशा अपनी हॉटनेस का जादू फैंस के बीच चलाती रहती हैं। उनका हर एक लुक फैंस के दिलों पर खंजर चलाने का काम करती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस की लेटेस्ट तस्वीरों ने इंटरनेट पर तबाही मचाई हुई है। इन तस्वीरों में अवनीत कौर ने बैकलेस ड्रेस पहनी हुई है जिसमें उनकी हॉटनेस कहर ढा रही हैं। अवनीत कौर ने इन फोटोज में कैमरे के सामने अपना बैक टैटू फ्लॉन्ट करते हुए हॉट तस्वीरें क्लिक करवाई हैं। बता दें कि एक्ट्रेस का हर लुक फैंस के बीच ट्रेंड करता है। हालांकि लोग भी उनकी हर एक झलक पाने के लिए बेताब रहते हैं। अपने बालों का हाई बन बनाकर एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस अवनीत कौर अपने इस लुक में परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करते हुए फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच रही है। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर प्रतिक्रियाएं देते हैं।

कांतारा को मिली बड़ी सफलता

गत वर्ष घरेलू बॉक्स ऑफिस पर गर्दा उड़ाने वाली कन्नड़ फिल्म कांतारा को अब एक और बड़ी सफलता मिली है। भारतीय बॉक्स ऑफिस पर कन्नड़ के बाद हिन्दी में प्रदर्शित हुई इस फिल्म ने 400 करोड़ से ज्यादा का कारोबार करते हुए स्वयं को एक बड़ी हिट साबित किया था। फिल्म को समीक्षकों और दर्शकों ने बहुत सराहा। घरेलू बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही कांतारा अब इतालवी और स्पेनिश में सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। इस खबर को स्वयं इस फिल्म के अभिनेता निर्माता निर्देशक ऋषभ शेट्टी ने अपने सोशल मीडिया पर साझा किया।

कांतारा एक एक्शन-थ्रिलर है, जिसके लेखक, निर्देशक और अभिनेता ऋषभ शेट्टी हैं। फिल्म का निर्माण होम्बले फिल्म्स बैनर के तहत विजय किरगंदूर द्वारा किया गया है। इस बैनर ने गत वर्ष भारतीय सिनेमा को केजीएफ-2 सरीखी फिल्म दी थी, जिसने वैश्विक स्तर पर 1240 करोड़ का कारोबार करते हुए भारतीय सिनेमा को विश्व में प्रतिष्ठित किया था।

19 मार्च को ऋषभ शेट्टी ने ट्विटर पर खुलासा किया कि कांतारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इतालवी और स्पेनिश में प्रदर्शित होने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में फिल्म की काफी मांग है।

होम्बेल फिल्म्स ने अपने ट्विटर पर लिखा, हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि अंतरराष्ट्रीय दर्शकों की भारी मांग के कारण, हम फिल्म कांतारा को इतालवी और स्पेनिश में भी संपादित कर रहे हैं। होम्बेल फिल्म्स।

कांतारा एक एक्शन थ्रिलर है, जो भूतकोला के इर्द-गिर्द घूमती है, जो देवता के लिए एक पारम्परिक नृत्य है। फिल्म के कलाकारों में किशोर, अच्युत कुमार, सप्तमी गौड़ा और प्रमोद शेट्टी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इसका निर्माण केजीएफ फ्रैंचाइजी के बैनर, होम्बेल फिल्म्स के तहत विजय किरगंदूर द्वारा किया गया है। कांतारा 2 की घोषणा पहले ही की जा चुकी है। यह मूल फिल्म का प्रीक्वल है और इसके पहले भाग से बड़ा और बेहतर होने की उम्मीद है। कांतारा-2 के 2024 में सिनेमाघरों में पहुँचने की उम्मीद है।

वो तो अलबेला में अपने किरदार सायुरी की तरह है हिबा नवाब

एक्ट्रेस हिबा नवाब वर्तमान में शो वो तो अलबेला में सायुरी की भूमिका निभा रही हैं। एक्ट्रेस ने अपनी भूमिका के बारे में बात की और बताया कि समय के साथ उनका करेक्टर कैसे बदला और आगे बढ़ा। उन्होंने कहा- पिछले कुछ वर्षों से, जैसा कि मैं सायुरी की भूमिका निभा रही हूं, मैंने उसके व्यक्तित्व को इस तरह से बदलते और विकसित होते देखा है जिससे मुझे अपने करेक्टर के साथ एक जुड़ाव महसूस होता है। सयुरी एक युवा महिला है, जिसके पास यूनिक व्यूप्वाइंट हैं।

उन्होंने कहा, शादी करने के बाद, जब वह एक नया परिवार शुरू करती है, तो उसकी छोटी सी दुनिया बड़ी हो जाती है। वह शुरू में शांत थी, लेकिन मां बनने के बाद, वह एक ऐसी महिला के रूप में आगे बढ़ी, जो मजबूत है।

फर्जी प्रमाण-पत्र से नौकरी के मामले में 40 कर्मचारी बर्खास्त

» विधानसभा में मंत्री ने दिया जवाब,

» 90 अधिकारी-कर्मचारी को कोर्ट से मिला है स्टे

रायपुर,21 मार्च 2023 (ए)। प्रदेश में फर्जी प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरी करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों की कई शिकायतें है। कई प्रकरणों में जांच चल रहीहै, कई प्रकरणों में जांच पूरी कर कार्रवाई भी की गयी है। विधानसभा में फर्जी प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरी का मुद्दा उठा। कांग्रेस विधायक गुलाब कमरो ने गलत फर्जी जाति प्रमाण पत्रों से नौकरी प्राप्त करने वाले अधिकारियों/ कर्म चारियों के विरूद्ध कार्यवाही की जानकारी आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास मंत्री से मांगी।

गुलाब कमरो क्या आदिम जाति विकास मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि - (क) उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति कार्यालय, आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास रायपुर द्वारा पत्र के 218 दिनांक 29.07.2020 द्वारा प्रदेश के विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं में गलत/फर्जी जाति प्रमाण पत्रों पर नौकरी प्राप्त किये 250 अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सूची कार्यवाही हेतु प्रेषित की गई थी, उस पर आज पर्यन्त तक क्या कार्यवाही की गई है? (ख) फर्जी / गलत जाति के आधार पर नौकरी कर रहे अधिकारी एवं कर्मचारियों के विरुद्ध शासन द्वारा कार्यवाही कब तक की जावेगी ? (ग) विगत दो वर्षों से कार्यवाही नहीं होने के क्या कारण है ?

आदिम जाति विकास मंत्री (डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम) (क) जी हाँ, 250 कर्मचारियों की सूची प्रेषित की गई थी, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के झूठे (फर्जी / गलत) प्रमाण पत्र के आधार पर नियुक्ति प्राप्त करने वाले शासकीय सेवकों की सेवाएं समाप्त करने एवं महत्वपूर्ण पदों से पृथक करने न्यायालय में लंबित प्रकरणों में महाधिवक्ता के माध्यम से शीघ्र सुनवाई हेतु मान, न्यायालय में अनुरोध करने तथा मान न्यायालय से स्थगन हटाये जाने की कार्यवाही करने के निर्देश छ.ग. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर, अटल नगर के पत्र दिनांक 05. 12. 2020, पत्र दिनांक 07. 01. 2021, पत्र दिनांक 04 .02. 2021, पत्र दिनांक 30.06.2021, पत्र दिनांक 24. 07. 2021, पत्र दिनांक 28.09.2021 एवं पत्र दिनांक 30. 06. 2022 द्वारा सर्वसंबंधित विभागों को दिये गये है, जिसके परिप्रेक्ष्य में 40 अधिकारी/कर्मचारियों को सेवा से पृथक किया गया है.90 अधिकारी / कर्मचारियों के प्रकरण में माननीय उच्च न्यायालय से स्थगन आदेश प्रदत्त होने के कारण कार्यवाही लंबित है तथा शेष प्रकरणों में विभागों के द्वारा कार्यवाही की जा रही है। (ख) चूंकि मान न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन है। अतः निश्चित समय सीमा बताया जाना संभव नहीं है। (ग) उच्च स्तरीय छानबीन समिति द्वारा पारित आदेश के विरूद्ध अधिकारी /कर्म चारियों द्वारा न्यायालय से स्थगन आदेश प्राप्त किये जाने के कारण कार्यवाही संभव नहीं हो सकी।

दूरस्थ क्षेत्रों में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की नवीन शाखाएं खोलने की प्रक्रिया जारी : डॉ प्रेमसाय सिंह

» विधायक रंजना दीपेंद्र साहू के चिंता पर मंत्री का जवाब

धमतरी जिले में किसानों को धान खरीदी हेतु रकबा का पंजीयन एवं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक की शाखायें खोले जाने के प्रश्नों पर आदिम जाति विकास मंत्री डॉक्टर प्रेमसाय सिंह टेकाम ने बताया कि धमतरी जिले में नवीन स्थानों में केंद्रीय बैंक की शाखाएं खोलने की मांग हुई है और उस के लिए नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। विधायक रंजना डीपेन्द्र साहू ने आदिम जाति विकास मंत्री पूछा कि धमतरी जिले में कुल कितने किसानों को कितने रकबा का धान खरीदी हेतु वर्ष 2022-23 में पंजीयन हेतु डाटा उपलब्ध कराया गया था, विधानसभावार धमतरी जिले में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक की कुल कितनी शाखाएं है , क्या धमतरी जिले में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक की नवीन शाखाएं खोलने की योजना है? यदि हां तो किन-किन स्थानों पर एवं किन किन स्थानों पर शाखाएं खोले जाने की

मांग प्राप्त हुई है, नाम सहित जानकारी बतावें एवं उक्त प्रक्रिया कब तक पूरी कर ली जावेगी । आदिम जाति विकास मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने ब विधानसभावार पंजीकृत किसानों की संख्या और रकबा (हेक्टेयर में) की जानकारी दी । उन्होंने बताया यार धमतरी जिले में विधानसभा धमतरी में पंजीकृत किसानों की संख्या 32094 तथा पंजीकृत किसानों का रकबा 30585 सिहावा विधानसभा में पंजीकृत किसानों की संख्या 38340 पंजीकृत किसानों का रकबा 46832 हेक्टेयर तथा कुरूद विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पंजीकृत किसानों की संख्या 50 800 पंजीकृत किसानों का रकबा हेक्टेयर में 50558 है । उन्होंने धमतरी जिले के कुल पंजीकृत किसानों की संख्या 1212 34 तथा पंजीकृत किसानों के रकबा हेक्टेयर में 12 7975 की जानकारी दी । विधायक रंजना दीपेंद्र साहू के प्रश्न के उत्तर में उन्होंने बताया कि धमतरी जिले में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की आमदी, अकलाडोंगरी (बारगरी), मोंगरागहन (डुबान), केरेगांव, कुकरेल एवं डोमागुजरा में नवीन शाखाएं खोले जाने की मांग प्राप्त हुई है। मांग पर कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

बस्तर में राजस्व विभाग अंतर्गत पंजीकृत प्रकरणों के शीघ्र निराकरण : जयसिंह अग्रवाल

» विधायक लखेश्वर बघेल के प्रश्न पर राजस्व मंत्री का जवाब

विधानसभा में राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने बताया कि जिला कलेक्टर द्वारा साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में नामांकन नवीनीकरण एवं बटवारा के प्रकरणों को निराकरण करने का प्रयास किया जा रहा है । उन्होंने यह जानकारी बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल के प्रश्न के उत्तर में दी । राजस्व मंत्री से बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल ने जानना चाहा था कि वर्ष 20 - 21, 21- 22 एवं 22- 23 में 15 फरवरी 23 तक राजस्व

विभाग के अधीन सीमांकन नामांकन नवीनीकरण एवं बटवारा के कितने प्रकरण पंजीबद्ध एवं निराकृत हुए हैं । उन्होंने इसके लिए समय सीमा तथा लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों के संबंध में भी जानना चाहा । इसके जवाब में राजस्व मंत्री ने प्रकरणों के संबंध में आंकड़ों के साथ विस्तार से जानकारी दी । उन्होंने बताया कि 15 फरवरी 23 की स्थिति में सीमांकन के 705 दर्ज प्रकरण में से 302 निराकृत हुए हैं नामांतरण के 1201 दर्ज प्रकरण में से 982 निराकृत हुए हैं बटवारा के 161 में से 121 निराकृत हुए हैं नवीनीकरण के 93 प्रकरणों में से 23 निराकृत हुए हैं । जब बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल ने राजस्व मंत्री से पूछा कि बचे हुए प्रकरण कब तक निराकृत किए जाएंगे इस पर राजस्व मंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा कि आप सूची दे दीजिए जल्द से जल्द सारे प्रकरण निराकृत करने के प्रयास किए जाएंगे ।

एकलव्य विद्यालय में स्वीकृत राशि के व्यय में खामी...

मंत्री के जवाब पर प्रतिपक्ष का वाकआउट

विधानसभा के बजट सत्र में आदिम जाति विकास मंत्री ने जवाब में यह स्वीकार किया कि स्वीकृत राशि से की गई खरीदी में वित्त निर्देश एवं भंडार क्रय नियम का पूर्णतः पालन नहीं किया गया है । उन्होंने इसके लिए दोषियों पर की जा रही कार्यवाही के संबंध में भी सदन में जानकारी दी । इस मुद्दे पर प्रतिपक्ष के सदस्यों ने उन्हें प्रश्नों के घेरे में रखा और उनके जवाब से असंतोष जताते हुए बहिर्गमन कर अपना विरोध प्रकट किया । अपने मूल प्रश्न में डॉ कृष्णकांत बांधी ने राजनांदगांव एवं चौकी मोहला मानपुर जिले में संचालित एकलव्य विद्यालय में वर्ष 2020 -21 से 2022 -23 में 31 जनवरी 23 तक स्वीकृत राशि और उस से किये गए क्रय में वित्त निर्देश और भंडार क्रय नियम के अनुपालन के संबंध में प्रश्न पूछा था । जवाब में आदिम जाति विकास मंत्री डॉक्टर प्रेमसाय सिंह के काम में जानकारी दी कि प्रश्न पूछे गए अवधि में 917.95 लाभ स्वीकृत की गई ।उन्होंने बताया कि स्वीकृत राशि अंतर्गत किए गए क्रय में वित्त निर्देश एवं भंडार क्रय नियमों का पूर्णता पालन नहीं किया गया है । उन्होंने इसके लिए दोषी अधिकारियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी और आश्वस्त किया कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्यवाही की जाएगी । प्रतिपक्ष के मुखर विधायक शिवरतन शर्मा अजय चंद्राकर सहित अन्य विधायकों ने इस मुद्दे पर की जा रही जांच की प्रक्रिया और समय अवधि को लेकर प्रश्न खड़े किए।उन्होंने मंत्री से दोषियों

आपराधिक मामले दर्ज करा कर उन पर कार्यवाही की मांग की । विधायक धर्मजीत सिंह ने अपने विधानसभा क्षेत्र में एकलव्य विद्यालयों को लेकर मंत्री से जानना चाहा कि इन विद्यालयों का नियंत्रण केंद्र सरकार के अधीन है या राज्य सरकार के । उन्होंने यह भी पूछा कि कि स्थानीय विधायकों को उनके विधानसभा क्षेत्र के एकलव्य विद्यालयों के निरीक्षण का अधिकार है या नहीं । उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि एकलव्य विद्यालयों में होने वाले कार्यक्रमों में शाला प्रबंधन द्वारा जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित नहीं किया जाता । इस पर मंत्री ने कहा कि विधायकों को उनके क्षेत्र के स्कूलों के निरीक्षण का पूरा अधिकार है । मूल प्रश्न के उत्तर में प्रतिपक्ष के विधायकों ने मंत्री के जवाब से असंतोष जताते हुए वाकआउट किया।

मंत्री अमरजीत भगत के विभागों से संबंधित 3259 करोड़ रूपए से अधिक की अनुदान मांगें पारित

खाद्य, संस्कृति तथा योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी मंत्री अमरजीत भगत के विभागों से संबंधित 3259 करोड़ 53 लाख 64 हजार रूपए की अनुदान मांगे आज विधानसभा में ध्वनिमत से पारित कर दी गई है। सदन में पारित अनुदान मांगों में खाद्य, नागरकि आपूर्ति तथा उपभोक्ता संरक्षण विभाग के व्यय के लिए 3064 करोड़ 6 लाख 14 हजार रूपए, संस्कृति विभाग से संबंधित व्यय के लिए 113 करोड़ 44 लाख 63 हजार रूपए तथा योजना, आर्थिक तथा सांख्यिकी विभाग से संबंधित व्यय के लिए 62 करोड़ 2 लाख 87 हजार रूपए शामिल हैं।

मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया के विभागों से संबंधित 4529.37 करोड़ रूपए की अनुदान मांगे हुई पारित

नगरीय प्रशासन एवं विकास तथा श्रम मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया के विभागों के लिए प्रस्तुत अनुदान मांगों के लिए कुल 4529 करोड़ 37 लाख 2 हजार रूपए की राशि आज यहां विधानसभा में ध्वनि मत से पारित कर दी गई है। स्वीकृत अनुदान मांगों में मांग संख्या 22 नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग नगरीय निकाय हेतु 15 करोड़ 34 लाख रूपए की राशि पारित की गई है। मांग संख्या 69 नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग नगरीय कल्याण हेतु 1198 करोड़ 86 लाख 50 हजार रूपए की राशि और मांग संख्या 81 नगरीय निकायों को वित्तीय सहायता हेतु 3111 करोड़ 27 लाख 56 हजार रूपए और मांग संख्या 18 श्रम विभाग की अनुदान मांगों के लिए 203 करोड़ 88 लाख 96 हजार रूपए की अनुदान मांग पारित की गई है।

विधानसभा में अनुदान मांगों की चर्चा का उत्तर देते हुए नगरीय प्रशासन एवं श्रम मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा नगरीय निकायों के अधोसंरचना विकास हेतु एक हजार करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है, जिससे नगरीय निकायों को बुनियादी सुविधाओं एवं अन्य अधोसंरचना विकास हेतु राशि उपलब्ध होगी। उन्होंने बताया कि शहरों में बेहतर अधोसंरचनात्मक विकास एवं मूलभूत सुविधाओं के उन्नयन हेतु अतिरिक्त वित्तीय संसाधन उपलब्ध होंगे। डॉ. डहरिया ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा नगरीय निकायों को 941 करोड़ रूपए की राशि जारी करने की घोषणा की गई है। जिसमें नगर निगम रायपुर को 100 करोड़ रूपए, भिलाई को 60 करोड़ रूपए, बिलासपुर को 50 करोड़ रूपए, दुर्ग को 25 करोड़ रूपए तथा भिलाई-चरोदा, अम्बिकापुर एवं जगदलपुर को 20-20 करोड़, रायगढ़ एवं कोरबा को 15-15 करोड़ रूपए, बीरगांव, धमतरी एवं चिरमिरी को 10-10 करोड़ रूपए की राशि प्रदान की जाएगी तथा राज्य की सभी नगर पालिकाओं को 5-5 करोड़ रूपए और नगर पंचायतों को 3-3 करोड़ रूपए प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस राशि से शहरों के मार्केट एरिया में सीसीटीवी लगाए जाएंगे और आधुनिक शौचालयों का निर्माण एवं प्रकाश व्यवस्था के लिए खर्च की जाएगी।

छत्तीसगढ़ के सरकारी अस्पताल में एक जून से लागू होगी कैशलेस व्यवस्था

» स्वास्थ्य मंत्री टी.एस.सिंहदेव ने सदन में की घोषणा

रायपुर,21 मार्च 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा सभा के बजट सत्र के दौरान मंगलवार को स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव के विभागों से संबंधित अनुदान मांगों पर चर्चा हुई। जिसे चर्चा के बाद पारित कर दिया। इसके बाद मंत्री टीएस सिंहदेव ने बड़ी घोषणाएं की। सिंहदेव ने सदन में कहा कि.छत्तीसगढ़ में एक जून से सरकारी अस्पतालों में इलाज के लिए कैशलेस व्यवस्था लागू होगी।

चर्चा के दौरान मंत्री सिंहदेव ने कहा कि शराब से राजस्व बढ़ा है। इस पर भाजपा विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि आपके जनघोषणा पत्र में शराबबंदी का वादा था। मंत्री सिंहदेव ने इस पर जवाब देते हुए कहा कि इस मामले में महिला और पुरुषों की अलग.अलग राय थी। कुछ लोगों ने कहा कि शराबबंदी होगी तो वोट नहीं देंगे। महिलाओं ने कहा था शराबबंदी होनी चाहिए। इस पर दोनों तरह की बातें होती हैं।

प्रशासकीय प्रतिवेदन में अधूरी जानकारी पर घिरे रुद्र गुरु

इधर मंत्री रुद्र गुरु के विभागों पर चर्चा के दौरान प्रशासकीय प्रतिवेदन में अधूरी जानकारी को लेकर विपक्ष ने नाराजगी जताई है। भाजपा विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि विभागीय प्रतिवेदन शासन के कामकाज का दर्पण होता है। अगर यही सही नहीं होगा तो हम चर्चा किस पर करेंगे।

विपक्ष ने आरोप लगाया कि प्रशासकीय प्रतिवेदन में रिक्त पदों की जानकारी नहीं दी गई है। संसदीय कार्य मंत्री रविंद्र चौबे ने आरोपों पर जवाब देते हुए कहा कि प्रतिवेदन में त्रुटि है तो विभाग को इस संबंध में निर्देश दिया जाएगा। इस बीच विधानसभा अध्यक्ष ने हिदायत दी, कि आने वाले समय में प्रतिवेदनों में त्रुटि नहीं होनी चाहिए।

महापौर एजाज ढेबर ने पेश किया 1608 करोड़ का बजट

» सभी वार्ड में लगाए जायेंगे सीसीटीवी कैमरे,बेसहारा बुजुर्गों के लिए बनेगा आसरा गृह

रायपुर,21 मार्च 2023 (ए)। महापौर एजाज ढेबर ने आज निगम मुख्यालय गांधी भवन में 1608 करोड़ का निगम का चौथा बजट पेश किया अपने बजटीय भाषण में एजाज ढेबर ने कहा कि रायपुर की विकास यात्रा का गौरवशाली इतिहास रहा है। रायपुर के शहरी सरकार का इतिहास लगभग 156 वर्ष के अतीत को अपने में समेटे हुए हैं। इस पुराने व अग्रगामी शहर के विकास की जिम्मेदारी जनता ने हमें सौंपी है, जिसे आगे बढ़ाना हमारा परम कर्त्तव्य है और हम इसे द्रुत गति से आगे बढ़ा रहे हैं। बजट में महापौर ढेबर ने वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के लिये 2 करोड़ का प्रावधान किया, तो वहीं 1000 सीटों की शहरी महिला आजीविका केंद्र प्रारम्भ करने का ऐलान किया। निगम के अंतर्गत गरीबों के आवास के लिये 39 करोड़ 50 लाख का प्रावधान किया। युवाओं को रोजगार के लिये 10 करोड़ की

लागत से बीपीओ प्रारम्भ करने की घोषणा की।

रायपुर में सुगम जलापूर्ति के लिए अमृत मिशन योजना के तहत 150 करोड़ का प्रावधान किया। बरसात के मौसम में जलभराव से मुक्ति के लिए 18 करोड़ देने का ऐलान किया। रायपुर के प्रत्येक वार्ड में सीसीटीवी कैमरे लगाए जायेंगे, तो वहीं आधुनिक शौचालय निर्माण और प्रकाश व्यवस्था के लिये 5 करोड़ का प्रावधान किया। आवारा कुत्तों के लिए डॉग शेल्टर बनाने की घोषणा की। कचरा एकत्रीकरण की व्यवस्था को सुदृढ़ करने 7 करोड़ का प्रावधान किया। सभी 70 वार्डों में बुजुर्गों के लिये चौपाल का निर्माण व सभी जोनों में बेसहारा बुजुर्गों के लिए आसरा गृह का निर्माण करने का ऐलान किया। लाखे नगर से आमापारा अंडर ग्राउंड केबलिंग कार्य हेतु करीब 5 करोड़ देने की घोषणा की। शहर के तालाबों और उद्यानों के सौंदर्यीकरण के लिये भरपूर राशि देने का ऐलान किया। इस तरह महापौर ने आज निगम में चौथा बजट प्रस्तुत किया।

मुख्यमंत्री ने नव संवत्सर, चैत्र नवरात्रि और गुड़ी पड़वा की दी शुभकामनाएं

रायपुर,21 मार्च 2023 (ए)। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने प्रदेशवासियों को चैत्र नवरात्रि, नव संवत्सर और गुड़ी पड़वा की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने इस अवसर पर सभी नागरिकों के लिए सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि चैत्र माह के पहले दिन से हिन्दू नववर्ष और नया संवत्सर शुरू होता है। इस दिन से नौ दिनों तक चलने वाले शक्ति आराधना के पर्व नवरात्रि का भी शुभारंभ होता है। महाराष्ट्र में इस दिन गुड़ी पड़वा का त्यौहार मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में मां शीतला, दंतेश्वरी, महामाया, बम्लेश्वरी, कंकाली, गंगा मैया, बिलईमाता, चंद्रहासिनी देवी तथा अन्य स्वरूपों में मां भगवती विराजमान हैं। चैत्र नवरात्रि के अवसर पर छत्तीसगढ़ में लोग भक्ति-भाव और उत्साह के साथ नौ दिनों तक देवी आराधना का पर्व मनाते हैं। मुख्यमंत्री ने देवी भगवती से प्रार्थना की है कि उनका आशीष प्रदेशवासियों पर बना रहे और प्रदेश निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर हो।

कोरचोली के जंगल में हुई मुठभेड़ में एक महिला नक्सली ढेर

बीजापुर ,21 मार्च 2023 (ए)। जिले के थाना गंगालूर क्षेत्र अंतर्गत कोरचोली के जंगल में सुबह लगभग 6:30 बजे डीआरजी, एसटीएफ की संयुक्त टीम के साथ नक्सलियों की मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में एक महिला नक्सली के मारे जाने की सूचना सूत्रों से मिल रही है, मारे गये नक्सली का शव एवं हथियार भी बरामद किया गया है। इसकी पुष्टि घटनास्थल से जवानों के लौटने बाद की जायेगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार नक्सलियों की कंपनी नंबर 02 के नक्सली कमांडर वेल्ला एवं गंगालूर एरिया कमेटी के नक्सली एसीएम दिनेश सहित कई

नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर सुरक्षा बलों की टीम रवाना हुई थी। जंगली पहाड़ी में सुरक्षा बलों को देख नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवानों की जवाबी कार्रवाई में एक नक्सली के मारे जाने के साथ ही हथियार के साथ शव भी बरामद किया गया है। जवानों द्वारा इलाके की सर्चिंग की जा रही है।एएसपी चंद्रकांत गवर्ना ने बताया कि कोरचोली के जंगल में मंगलवार सुबह मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ के बाद जवान अभी तक घटनास्थल से लौटे नहीं है। मुठभेड़ के बाद आस-पास जवानों द्वारा सर्चिंग की जा रही है। जवानों के लौटने के बाद विस्तृत जानकारी दी जा सकती है।

राज्य सरकार ने छुट्टी का किया ऐलान

आदेश किया जारी

रायपुर ,21 मार्च 2023 (ए)। इस वक्त की बड़ी खबर सामने आई है. मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणा के अनरूप छुट्टी का आदेश जीएडी ने जारी कर दिया है। 23 मार्च को चेट्रचंड महोत्सव के लिए ऐच्छिक अवकाश की घोषणा की गई है। वहीं सभी नगर निगम और नगर पालिका क्षेत्र में चेंट्रीचंड महोत्सव के लिए प्रदेश के सभी नगर निगम और नगर पालिका क्षेत्रों में सामान्य अवकाश रहेगा। हालांकि बैंक खुले रहेंगे।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)